मुक्तांजलि

हिंदी पाठ्यपुस्तक

2

संकलन एवं संपादन

आशीष कुमार कंधवे

अध्यक्ष, विश्व हिंदी साहित्य परिषद्

सहायक संपादक

डॉ॰ नीता कुशवाह

एम.ए., बी.एड., पीएच.डी.

अर्चना भदौरिया

एम.ए., बी.एड.

रेखा सक्सैना

एम.ए., बी.एड.

KRISTON PUBLICATIONS

KRISTON PUBLICATIONS

Marketed By:
Rathi Rills INDIA Pvt. Ltd.
51, Ram Mohan Vihar, Dayal Bagh,
Agra 282005, Uttar Pradesh
Phone: (0562) 6540670, 6540680
E-mail: info@kristonpublications.com
Website: www.kristonpublications.com

All rights reserved. No part of the work may be reproduced, stored in retrieval system, or transmitted, in any form or by any means, electronic, mechanical, microfilming, recording or otherwise, without the prior written permission of the publishers.

Every effort has been made to trace the owners of copyright material included in this book. The publishers would be grateful for any omissions to be brought to their notice for incorporation in future editions of the book.

Import/Export Licence Number: 0614007194

इस पुस्तक की बात

देश के चंचल व जिज्ञासु कर्णधारों के हाथों में 'मुक्तांजलि' **हिंदी पाठ्यपुस्तक** सौंपते हुए मन में अत्यंत हर्ष एवं संतोष का भाव है।

'मुक्तांजलि' हिंदी पाठ्यपुस्तक की शृंखला में एन.सी.ई.आर.टी., आई.सी.एस.ई., सी.बी.एस.ई. तथा विभिन्न राज्यों की शिक्षा-परिषदों द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम के सभी विषय बिंदुओं को शामिल किया गया है। साथ ही संपूर्ण शृंखला में हिंदी निदेशालय, भारत सरकार द्वारा संस्तुत वर्तनी के नियमों का पालन किया गया है। 'मुक्तांजलि' पुस्तक-शृंखला की सभी पुस्तकों में पाठों का चयन, उनकी संरचना व अभ्यास कार्यों का स्वरूप; छात्रों के बौद्धिक स्तर, भाषायी कौशल तथा सीखने की क्षमता को ध्यान में रखते हुए किया गया है। साहित्य की विविध विधाओं का समावेश करके पुस्तक-शृंखला में सजीवता व रोचकता लाने का प्रयास किया गया है।

इस पुस्तक-शृंखला में परिमार्जित भाषा के सरल, सरस और व्यावहारिक प्रयोग को सिखाने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस तथ्य को दृष्टिगत रखते हुए ही प्रत्येक पाठ के साथ व्याकरण के ज्ञान को सरल व प्रयोगात्मक ढंग से जोड़ा गया है।

प्रत्येक पाठ के साथ, सिखाए गए ज्ञान के 'सारात्मक व रचनात्मक मूल्यांकन' को ध्यान में रखते हुए, अभ्यास प्रश्न दिए गए हैं तथा उनमें विविधता को स्थान दिया गया है। अनेक प्रकार की गतिविधियों द्वारा भाषा की योग्यताओं – **सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना** और **चिंतन** को विकसित करने का प्रयास किया गया है। उच्चतम बौद्धिक कौशलों **(HOTS)** के विकास के लिए पाठों से संबद्ध विविध प्रश्न अभ्यास में सम्मिलित किए गए हैं। संपूर्ण शिक्षण को 'learning without burden' के सिद्धांत पर केंद्रित किया गया है।

बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित करने के लिए प्रत्येक पुस्तक में कुछ रोचक पाठ्य-सामग्री को सम्मिलित किया गया है जो मूल्यांकन की प्रक्रिया से पूर्णतः मुक्त है।

'मुक्तांजलि' विषय-वस्तु के संकलन की दृष्टि से एक उत्कृष्ट पुस्तक-शृंखला है, साथ ही इसे सुंदर व मनमोहक चित्रों से भी सुसज्जित किया गया है। 'मुक्तांजलि' की प्रत्येक पाठ्यपुस्तक के साथ Visual based CD (केवल शिक्षक/शिक्षिकाओं के लिए) संलग्न है।

अपेक्षा है कि 'मुक्तांजलि' **हिंदी पाठ्यपुस्तकें** हिंदी भाषा व साहित्य की जानकारी सहज रूप से उपलब्ध कराने के साथ-साथ शिक्षार्थियों के बौद्धिक स्तर को समृद्ध करने में भी सहायक होंगी।

जिन रचनाकारों की रचनाएँ इस पुस्तक-शृंखला में सम्मिलित की गई हैं, हम हृदय से उनके आभारी हैं।

आदरणीय शिक्षक-शिक्षिकाओं के पुस्तक के संबंध में बहुमूल्य सुझावों व प्रतिक्रियाओं का सदैव स्वागत है।

–संपादक

पाठ-विवरण

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
1.	प्रकृति से सीखो (कविता)	सुर व लय के साथ कविता-वाचन करना, स्मरण शक्ति का विकास करना, शब्दों के शुद्ध उच्चारण व लेखन का ज्ञान कराना तथा समानार्थी व विलोम शब्दों का ज्ञान कराना।	प्राकृतिक वस्तुओं से परिचित कराना, प्राकृतिक सुंदरता का बोध कराना तथा प्रकृति को संरक्षण प्रदान करने का भाव जगाना।	ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व भक्ति के भाव पैदा करना; विनम्रता, प्रसन्नता, प्रेमभाव, सेवाभाव आदि मानवीय गुणों का विकास करना।
2.	वफादार नेवला (चित्रकथा)	चित्र देखकर भाव की पहचान करने की क्षमता का विकास करना, शुद्ध उच्चारण व लेखन का विकास करना तथा लिंग-भेद का ज्ञान कराना।	जीव-जंतुओं से संबंधित नवीन ज्ञान देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा सामाजिक संबंधों को दृढ़ता प्रदान करना।	सोच-समझकर काम करने की भावना का विकास करना, उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना तथा वफादारी के गुण का विकास करना।
3.	कलाकार बना मंत्री (रोचक कहानी)	तुरंत उत्तर देने की क्षमता का विकास करना, वाणी को प्रभावशाली बनाने की क्षमता का विकास करना तथा क्रिया व विशेषण शब्दों का ज्ञान देना।	उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना, तार्किक शक्ति का विकास करना तथा हास्य-व्यंग्य की कला से परिचित करना।	बुद्धिमानी व चतुराई के गुण का विकास करना तथा न्याय करने की भावना का विकास करना।
4.	बोलती गुफा (मनोरंजक कहानी)	वाक्य निर्माण की क्षमता का विकास करना, भावानुसार पढ़ने व बोलने की क्षमता का विकास करना, शब्द ज्ञान बढ़ाना तथा विराम-चिह्नों का ज्ञान कराना।	मनोरंजन प्रदान करना, तार्किक क्षमता का विकास करना, जीव-जंतुओं की विशेषताओं से परिचित कराना तथा कल्पना-शक्ति का विकास करना।	विपरीत परिस्थितियों में बुद्धिमानी से काम लेने की प्रेरणा देना तथा सूझबूझ से कार्य करने का गुण विकसित करना।
	अजब-गजब, पर सच	केवल पढ़ने के लिए		
5.	तितली रानी (कविता)	सुर व लय के साथ कविता पाठ कराना, कविता में निहित भाव को समझने की क्षमता का विकास करना, शब्दों के शुद्ध रूप का ज्ञान कराना तथा क्रिया-शब्दों का ज्ञान कराना।	प्राकृतिक सुंदरता का बोध कराना, छोटे-छोटे जीवों के प्रति दया-भाव विकसित करना तथा कल्पना-शक्ति का विकास करना।	संवेदनशीलता का भाव पैदा करना, जीव-मात्र के प्रति प्रेम तथा दया की भावना का विकास करना।

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
6.	सुरीला पक्षी: कोयल (ज्ञानपरक लेख)	पढ़ने की रुचि पैदा करना, स्वतंत्र लेखन की क्षमता का विकास करना, एकवचन व बहुवचन शब्दों का ज्ञान कराना तथा शब्द-भंडार बढ़ाना।	पक्षियों से संबंधित विशिष्ट जानकारी प्रदान करना, पक्षी जगत के प्रति जिज्ञासा उत्पन्न करना तथा पक्षियों के प्रति प्रेम की भावना विकसित करना।	पक्षियों के प्रति संवेदन-शीलता का भाव विकसित करना तथा जीवन में मधुर वाणी बोलने के लिए प्रेरित करना।
7.	छोटा फूल (प्रेरक कहानी)	स्वर में उचित उतार-चढ़ाव के साथ पाठ पढ़ना, विराम-चिह्नों के प्रयोग का अभ्यास कराना, शब्द-ज्ञान को बढ़ाना, संयुक्ताक्षर के प्रयोग का ज्ञान कराना तथा विलोम शब्दों का ज्ञान कराना।	पेड़-पौधों को नुकसान न पहुँचाने का भाव विकसित करना, प्राकृतिक सौंदर्य का बोध कराना, विभिन्न फूलों से परिचित कराना तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागृत करना।	जो कमजोर हैं, उन्हें संरक्षण प्रदान करने का भाव पैदा करना तथा प्राकृतिक सुंदरता बनाए रखने की प्रेरणा देना।
8.	मेरा नगर: आगरा (स्थल-परिचय)	लेखन की निबंधात्मक शैली से परिचित कराना, वाक्य निर्माण की क्षमता विकसित करना तथा शब्दों के उचित प्रयोग का ज्ञान कराना।	किसी स्थान विशेष की विशेषताओं से परिचित कराना, अपने नगर व देश को सुंदर व स्वच्छ रखने का भाव जागृत करना, विभिन्न ऐतिहासिक इमारतों के बारे में जानने के लिए प्रेरित करना।	अपने देश के बारे में जानने की रुचि विकसित करना तथा प्राचीन संस्कृति के प्रति गर्व का भाव जागृत करना।
9.	काले बादल (कविता)	कविता में छिपे भाव को समझने की क्षमता विकसित करना, समान लय वाले शब्दों की पहचान कराना, क्रिया शब्दों का उचित प्रयोग करना सिखाना तथा समानार्थी शब्दों का अभ्यास कराना।	वर्षा ऋतु के महत्व को समझाना, वर्षा ऋतु के बारे में सामान्य जानकारी देना तथा प्राकृतिक परिवर्तनों के प्रति रुचि जागृत करना।	प्राकृतिक वातावरण के प्रति रुचि जागृत करना तथा मनोरंजन प्रदान करना।
10.	गुणवान बालक (लोक कथा)	भावपूर्ण वाचन का अभ्यास कराना, विचारों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित करना, एकवचन व बहुवचन शब्दों का ज्ञान कराना तथा तार्किक-क्षमता का विकास करना।	सामाजिक परिवेश की जानकारी देना, दिखावे की अपेक्षा वास्तविक गुणों को विकसित करने की प्रेरणा देना तथा उचित निर्णय करने की क्षमता का विकास करना।	माता-पिता के प्रति सेवा व सम्मान का भाव जागृत करना, मेहनत करने के गुण को अपनाने की प्रेरणा देना तथा अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए प्रेरित करना।

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
	प्रेरक प्रसंग	केवल पढ़ने के लिए		
11.	चाचा नेहरू (जीवन-परिचय)	प्रत्यास्मरण कराना, शब्द-ज्ञान बढ़ाना, शब्दों के शुद्ध उच्चारण व लेखन का ज्ञान कराना, संज्ञा शब्दों का ज्ञान कराना तथा लेखन की 'पत्र' विधा से परिचित कराना।	स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानकारी देना, महत्वपूर्ण 'दिवसों' की जानकारी देना तथा जवाहर लाल नेहरू के जीवन से परिचित कराना।	देश-प्रेम की भावना का विकास करना तथा देशभक्तों के बारे में जानने की रुचि विकसित करना।
12.	डाकघर (ज्ञानपरक लेख)	नए शब्दों से परिचित कराना व उनके शुद्ध उच्चारण और लेखन का अभ्यास कराना तथा वाक्य निर्माण की क्षमता का विकास करना।	डाकघर से प्राप्त होने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी देना तथा विभिन्न डाक-टिकटों की जानकारी देना।	परिश्रमी होने की प्रेरणा देना तथा सामाजिक कुशलता का विकास करना।
13.	यात्री और जादुई वृक्ष (चित्र कथा)	चित्र देखकर भाव समझने की क्षमता का विकास करना, उचित भाव के अनुसार पढ़ना सिखाना तथा शब्द-ज्ञान बढ़ाना।	कल्पना-शक्ति का विकास करना, समयानुसार उचित निर्णय लेने की क्षमता का विकास करना तथा तार्किक क्षमता का विकास करना।	लालच न करने की प्रेरणा देना तथा वस्तुओं के उचित उपयोग की सीख देना।
14.	छली गधा (कविता)	कविता में निहित संदेश समझने की क्षमता का विकास करना, तार्किकता का विकास करना तथा संयुक्ताक्षरों के उचित प्रयोग द्वारा शब्द निर्माण की क्षमता का विकास करना।	पशु विशेष की विशेषताओं से परिचित कराना, कल्पना–शक्ति का विकास करना तथा स्मरण-शक्ति का विकास करना।	'हम किसी को अधिक समय तक धोखे में नहीं रख सकते'– इस बात की सीख देना तथा छल-कपट से दूर रहने की प्रेरणा देना।
	घोड़ा क्यों हिनहिनाया ? (हास्य कथा)	केवल पढ़ने के लिए		

पाठ संख्या	पाठ का नाम व विधा	चिंतन व भाषायी कौशल	रचनात्मक गतिविधियाँ	अमूल्य संदेश
15.	दो मेंढक (प्रेरक कहानी)	शब्दों के शुद्ध उच्चारण व लेखन का अभ्यास कराना, वाक्य निर्माण की क्षमता विकसित करना तथा पुनरुक्त शब्दों से परिचित कराना।	विभिन्न प्रकार के जीवों से परिचित कराना तथा जीव-जंतुओं के बारे में जानने की रुचि जागृत करना।	विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य से काम लेने की प्रेरणा देना तथा अपना कर्म पूरी लगन से करने की सीख देना।
16.	होली (निबंध)	त्योहार विशेष के बारे में जानकारी देना, वर्ण-विच्छेद करने का अभ्यास कराना तथा स्त्रीलिंग व पुल्लिंग के अनुसार क्रियाओं के प्रयोग द्वारा वाक्य निर्माण करना सिखाना।	भारतीय संस्कृति के प्रति रुचि जागृत करना, बुराई पर अच्छाई की जीत के विचार को दृढ़ता प्रदान करना तथा त्योहारों को पूरे उल्लास से मनाने की सीख देना।	मिल-जुलकर रहना सिखाना तथा ईश्वर के प्रति प्रेम व श्रद्धा का भाव रखना।
17.	एक अधूरा घड़ा (प्रेरक कहानी)	शब्दों की शुद्ध वर्तनी के लेखन का अभ्यास कराना, वाक्य निर्माण की क्षमता विकसित करना तथा भावों को अभिव्यक्त करने की क्षमता विकसित करना।	अपने आस-पास के क्षेत्र को सुंदर बनाने की प्रेरणा देना, कल्पना-शक्ति विकसित करना तथा संवेदनशीलता का विकास करना।	प्रत्येक वस्तु का महत्व समझने की प्रेरणा देना तथा अपनी कमियों को जीतकर उनको सकारात्मक रूप में प्रयोग करने की प्रेरणा देना।
18.	भारत कितना प्यारा है (कविता)	देश के प्रति प्रेम का भाव विकसित करना, बहुवचन शब्दों का ज्ञान कराना तथा नवीन शब्द निर्माण की क्षमता विकसित करना।	प्राकृतिक सुंदरता का बोध कराना, राष्ट्रीय-चिह्नों का ज्ञान कराना तथा देश की विशेषताओं से परिचित कराना।	देश के प्रति कृतज्ञता व समर्पण का भाव विकसित करना तथा मिल-जुलकर रहने की प्रेरणा देना।
	संख्यावाचक शब्द	केवल पढ़ने के लिए		

विषय सूची

1. प्रकृति से सीखो . . . 1–4
2. वफादार नेवला (चित्रकथा) . . . 5–11
3. कलाकार बना मंत्री . . . 12–17
4. बोलती गुफा . . . 18–23

अजब-गजब, पर सच (केवल पढ़ने के लिए) . . . 24

5. तितली रानी . . . 25–29
6. सुरीला पक्षी: कोयल . . . 30–34
7. छोटा फूल . . . 35–41
8. मेरा नगर: आगरा . . . 42–47
9. काले बादल . . . 48–52
10. गुणवान बालक . . . 53–57

प्रेरक प्रसंग (केवल पढ़ने के लिए) . . . 58

11. चाचा नेहरू . . . 59–63
12. डाकघर . . . 64–68
13. यात्री और जादुई वृक्ष (चित्रकथा) . . . 69–74
14. छली गधा . . . 75–80

घोड़ा क्यों हिनहिनाया? (केवल पढ़ने के लिए) . . . 81

15. दो मेंढक . . . 82–86
16. होली . . . 87–92
17. एक अधूरा घड़ा . . . 93–98
18. भारत कितना प्यारा है . . . 99–103

संख्यावाचक शब्द (केवल पढ़ने के लिए) . . . 104

मॉडल प्रश्न-पत्र . . . 105–108

1

प्रकृति से सीखो

प्रकृति की सभी वस्तुएँ हमें कुछ-न-कुछ अवश्य सिखाती हैं। प्रस्तुत कविता में ऐसी ही कुछ चीजों और उनसे मिलने वाली सीखों के बारे में बताया गया है।

फूलों से नित हँसना सीखो ,
भौंरों से नित गाना।
फल से लदी डालियों से नित ,
सीखो शीश झुकाना।

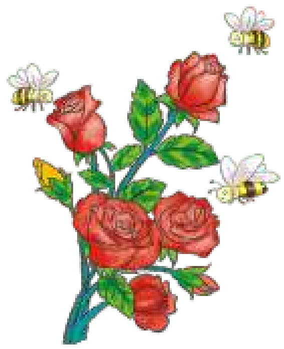

सीख हवा के झोंकों से लो ,
कोमल-कोमल बहना।
दूध तथा पानी से सीखो ,
मेल-जोल से रहना।

सूरज की किरणों से सीखो ,
जगना और जगाना।
लता और पेड़ों से सीखो ,
सबको गले लगाना।

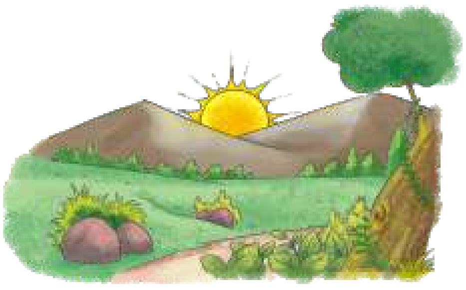

दीपक के जलने से सीखो ,
अंधकार को हरना।
पृथ्वी से सीखो सबकी नित ,
सच्ची सेवा करना।

—श्री श्रीधर पाठक

कठिन शब्द

नित ■ भौंरों ■ शीश ■ मेल-जोल
अंधकार ■ पृथ्वी ■ सबकी

शब्दार्थ

नित -	रोज / प्रतिदिन	**शीश** -	सिर
कोमल -	मुलायम	**लता** -	बेल
अंधकार -	अँधेरा	**हरना** -	समाप्त करना

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   भौंरों, शीश, दूध, अंधकार, पृथ्वी, सच्ची
2. प्रकृति को किसने बनाया है ?
3. मिल-जुलकर रहने की सीख कौन देता है ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. फूल हमें क्या सिखाते हैं ?
2. लताओं और पेड़ों से हमें क्या सीख मिलती है ?
3. दूसरों की सेवा करना हमें कौन सिखाता है ?

ग. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. फूलों से नित ______________ ,
   ______________ से नित गाना।

2. ________ तथा ________ से सीखो,
________________ से रहना।

3. ________ से सीखो सबकी नित,
सच्ची ________________।

घ. समान लय वाले शब्द लिखिए–

गाना	________	पानी	________
जगाना	________	करना	________
लता	________	डाली	________

ङ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. नित्य हँसना सिखाते हैं–
   (i) भौंरे ☐ (ii) फूल ☐ (iii) दूध और पानी ☐
2. फल से लदी डालियाँ सिखाती हैं–
   (i) शीश झुकाना ☐ (ii) अंधकार को हरना ☐ (iii) जगना और जगाना ☐
3. सच्ची सेवा करना कौन सिखाता है ?
   (i) दीपक ☐ (ii) सूरज ☐ (iii) पृथ्वी ☐

अब भाषा की बात

क. समान अर्थ वाले शब्दों का मिलान कीजिए–

शीश	धरती
सूरज	जल
पृथ्वी	सिर
पानी	सूर्य

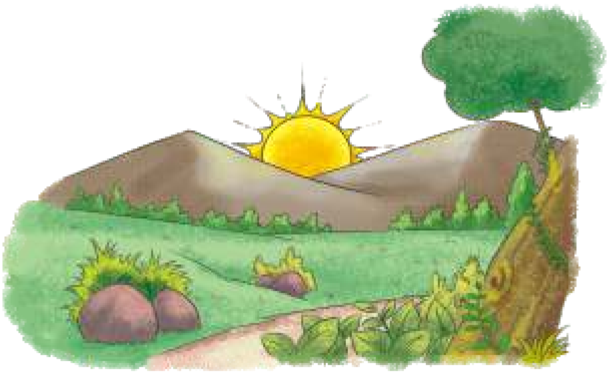

ख. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए–

डालीयों ________ शीस ________

कौमल ____________ पेढ़ों ____________

ग. कविता में से 'ऊ' की मात्रा (ू) वाले तीन शब्द लिखिए–

____________ ____________ ____________

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द पर ✓ लगाइए–

1. कोमल – (i) मुलायम ☐ (ii) कठोर ☐ (iii) काला ☐
2. अँधेरा – (i) उजाला ☐ (ii) सुबह ☐ (iii) शाम ☐
3. सच्चा – (i) सच ☐ (ii) झूठा ☐ (iii) सच्चाई ☐
4. ऊँचा – (i) लंबा ☐ (ii) छोटा ☐ (iii) नीचा ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

ईश्वर ने प्रकृति को बहुत सुंदर बनाया है। इसे सुंदर बनाए रखने के लिए हमें सदैव प्रयास करने चाहिए। हमें अपने आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखना चाहिए, बेवजह फूलों को नहीं तोड़ना चाहिए तथा पेड़-पौधों और जीव-जंतुओं को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

ख. कुछ और जानें–

प्रकृति की कुछ अन्य चीजें भी हमें अच्छी बातें सिखाती हैं। नीचे दी गई कविता को पढ़िए और समझिए। कविता को याद करके लय में गाने का अभ्यास भी कीजिए–

पर्वत कहता शीश उठाकर,
तुम भी ऊँचे बन जाओ।
सागर कहता है लहराकर,
मन में गहराई लाओ।

समझ रहे हो क्या कहती है,
उठ-उठ, गिर-गिर तरल तरंग।
भर लो, भर लो अपने मन में,
मीठी-मीठी मृदुल उमंग।

2

वफादार नेवला

शहर से दूर एक छोटे-से घर में एक किसान रहता था।
एक दिन...
अरे, यह क्या है? यह तो नेवले का बच्चा लगता है।
इसे घर ले चलूँ। मेरा बेटा इसके साथ खेलकर खुश होगा।
किसान उसे अपने छोटे-से बेटे के लिए उठा लाया।
मगर उसकी पत्नी को वह नेवला पसंद न था।
तुम ऐसा खतरनाक जानवर यहाँ क्यों उठा लाए?
यह तो छोटा-सा नेवला है। यह हमारे बच्चे के साथ-साथ बड़ा होगा और उसके साथ खेलेगा।
हुँह! मुझे नहीं लगता कि इसके साथ हमारे बच्चे का खेलना ठीक होगा।
पत्नी का मन न होते हुए भी किसान ने नेवला पाल लिया।
जैसे-जैसे दिन बीतते गए, किसान के बेटे को नेवले के साथ खेलना और ज्यादा अच्छा लगने लगा।
हिह...गागा... गिगि...
मगर बच्चे की माँ उसे नेवले से दूर रखने की कोशिश करती।
बेटे, इसके साथ मत खेला करो।

एक दिन किसान की पत्नी को सब्जी लेने बाजार जाना था।
देखो, मैं बाजार जा रही हूँ। तुम यहाँ बैठकर बच्चे की देखभाल करो।
जब तक मैं न आऊँ, तुम खेतों की तरफ मत जाना।
चिंता मत करो। नेवला हमारे बेटे की देखभाल कर लेगा।
नहीं-नहीं, मुझे उस पर भरोसा नहीं। तुम बेटे को अकेला मत छोड़ना।
और किसान की पत्नी बाजार चली गई।
एक घंटा बीत गया, पर किसान की पत्नी नहीं लौटी। किसान नेवले को बेटे के पास छोड़कर खेतों पर चला गया।
कुछ देर बाद किसान की पत्नी लौटी। उसने देखा कि दरवाजे के पास बैठे नेवले के मुँह पर खून लगा है।
हाय राम!
मुझे डर था, एक दिन ऐसा ही होगा। मेरे बेटे को इसने मार ही डाला। यह एक जंगली जानवर है। हाय! मेरा बच्चा...।
उसने सब्जी का थैला फेंका और डंडा उठा लिया।
मैं इस दुष्ट नेवले को नहीं छोड़ूँगी।
वह नेवले को मारने लगी।
यह ले!

थोड़ी देर में नेवला मर गया। किसान की पत्नी वहीं नेवले के पास बैठकर जोर-जोर से रोने लगी।
कुछ देर में किसान भी आ गया। यह सब देखकर वह हैरान रह गया।
क्या हुआ, तुमने बेचारे नेवले को क्यों मार डाला?
जिसने हमारे बेटे को मार डाला उसके लिए तुम्हें अफसोस क्यों है?
क्या?
किसान घर की तरफ दौड़ा और बच्चे को सोया हुआ देखकर हैरान हो गया।
बच्चे के बिस्तर के पास एक घायल साँप मरा पड़ा था। किसान समझ गया कि नेवले ने साँप को मार दिया था। साँप का ही खून उसके मुँह पर लगा था।
देखो, तुमने क्या कर दिया! जिसने हमारे बच्चे की जान बचाई, तुमने उसी को मार डाला।
किसान की पत्नी को बहुत दुख हुआ। वह अपने किए पर पछताने लगी। मगर अब बहुत देर हो चुकी थी।
यह सब तुम्हारी जल्दबाजी के कारण हुआ। काश, तुमने अंदर आकर देखा होता तो हमें इतने वफादार जानवर को न खोना पड़ता।

कठिन शब्द

नेवला ■ बच्चा ■ पत्नी ■ सब्जी
दुष्ट ■ बिस्तर ■ जल्दबाजी

शब्दार्थ

खतरनाक -	नुकसान पहुँचाने वाला	**कोशिश** -	प्रयत्न, प्रयास
भरोसा -	विश्वास	**अफसोस** -	पछतावा

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   नेवला, खतरनाक, कोशिश, चिंता, दुष्ट, अफसोस
2. किसान की पत्नी क्यों नहीं चाहती थी कि उसका बेटा नेवले के साथ खेले ?
3. नेवले के मुँह पर खून लगा देखकर किसान की पत्नी ने क्या सोचा ?
4. अंत में किसान की पत्नी क्यों पछता रही थी ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. किसान अपने घर किसे लाया था ?
2. नेवले के मुँह पर किसका खून लगा था ?
3. नेवले ने किसकी जान बचाई थी ?
4. किसान की पत्नी ने किसे मार डाला था ?

ग. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

बेटे, मार, नेवले, मुँह, पसंद

1. किसान एक ____________ का बच्चा अपने घर लेकर आया।
2. किसान की पत्नी नेवले को ____________ नहीं करती थी।
3. किसान के ____________ को नेवले के साथ खेलना अच्छा लगता था।
4. नेवले के ____________ पर खून लगा था।
5. किसान की पत्नी ने नेवले को ____________ डाला।

घ. कहानी के अनुसार वाक्यों के सामने क्रमांक लिखिए–

1. बच्चे के बिस्तर के पास घायल साँप मरा पड़ा था। ☐
2. किसान की पत्नी ने नेवले को मार डाला। ☐
3. किसान नेवले के बच्चे को घर ले आया। ☐
4. किसान अपने बेटे को नेवले के पास छोड़कर खेत पर चला गया। ☐
5. किसान की पत्नी को अपने किए पर पछतावा होने लगा। ☐
6. किसान की पत्नी ने नेवले के मुँह पर खून लगा देखा। ☐
7. किसान की पत्नी को सब्जी लेने बाजार जाना था। ☐

अब भाषा की बात

क. उचित स्थान पर 'स' अथवा 'श' भरकर शब्द बनाइए–

कि___ान, कोशि___, भरो___ा, अफ___ोस

___ब्जी, ___हर, का___, ___मझ

ख. समझिए और लिखिए–

बेटा	–	बेटी	टोकरा	–	टोकरी
लड़का	–	____________	डंडा	–	____________
मुर्गा	–	____________	कटोरा	–	____________

ग. उचित वर्ण पर 'ए' की मात्रा (े) लगाकर शब्द बनाइए–

दर ________	नवला ________	इसक ________
बच्च ________	हमार ________	रखन ________

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही वर्तनी वाले शब्द पर ✓ लगाइए–

1.	(i)	किशान	☐	(ii)	कीसान	☐	(iii)	किसान	☐
2.	(i)	पतनी	☐	(ii)	पत्नी	☐	(iii)	पतनि	☐
3.	(i)	खतरनाक	☐	(ii)	खत्रनाक	☐	(iii)	खतरनक	☐
4.	(i)	जँगली	☐	(ii)	जंगली	☐	(iii)	जंगलि	☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, हमें जल्दबाजी में कोई भी निर्णय नहीं लेना चाहिए। जल्दबाजी में किया गया काम अक्सर गलत हो जाता है।

ख. कुछ और जानें–

नेवला एक छोटा-सा जानवर होता है फिर भी वह साँप को मार डालता है। मोर भी अपने तीखे पंजों से साँप को मार डालता है।

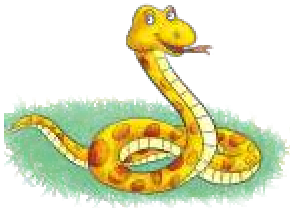

ग. कुछ और करके देखें–

नीचे कुछ पशुओं के चित्र दिए गए हैं। उनके आकार को देखकर उन्हें क्रम से लगाइए–

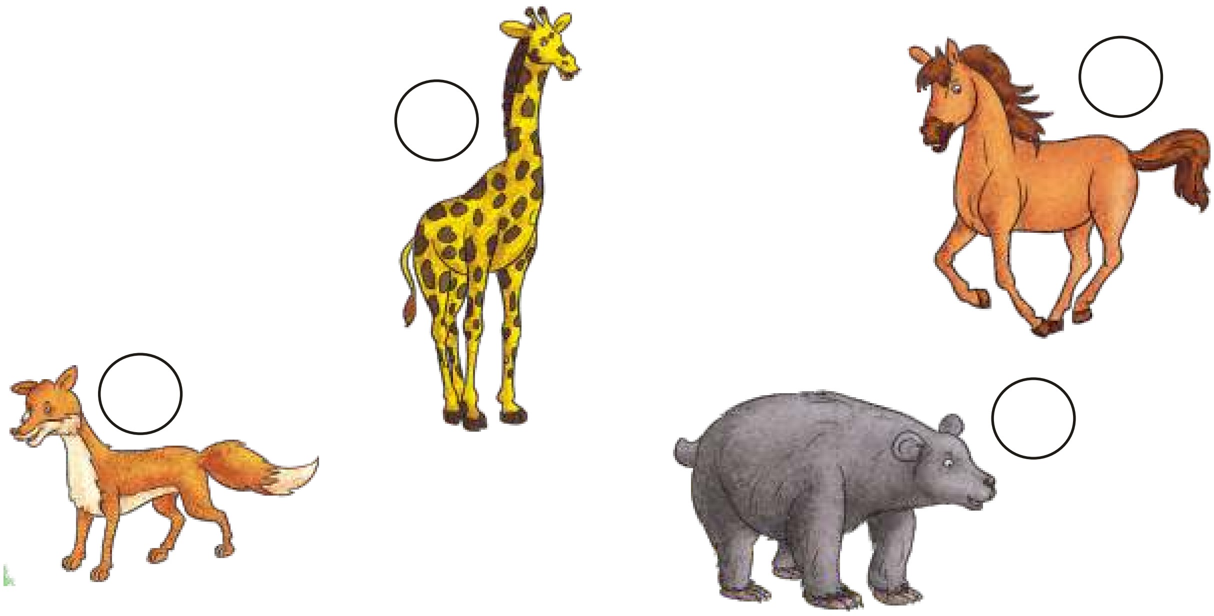

घ. कलाकारी दिखाएँ–

पहचानिए, अँगूठे की इन छापों में क्या-क्या छिपा है?

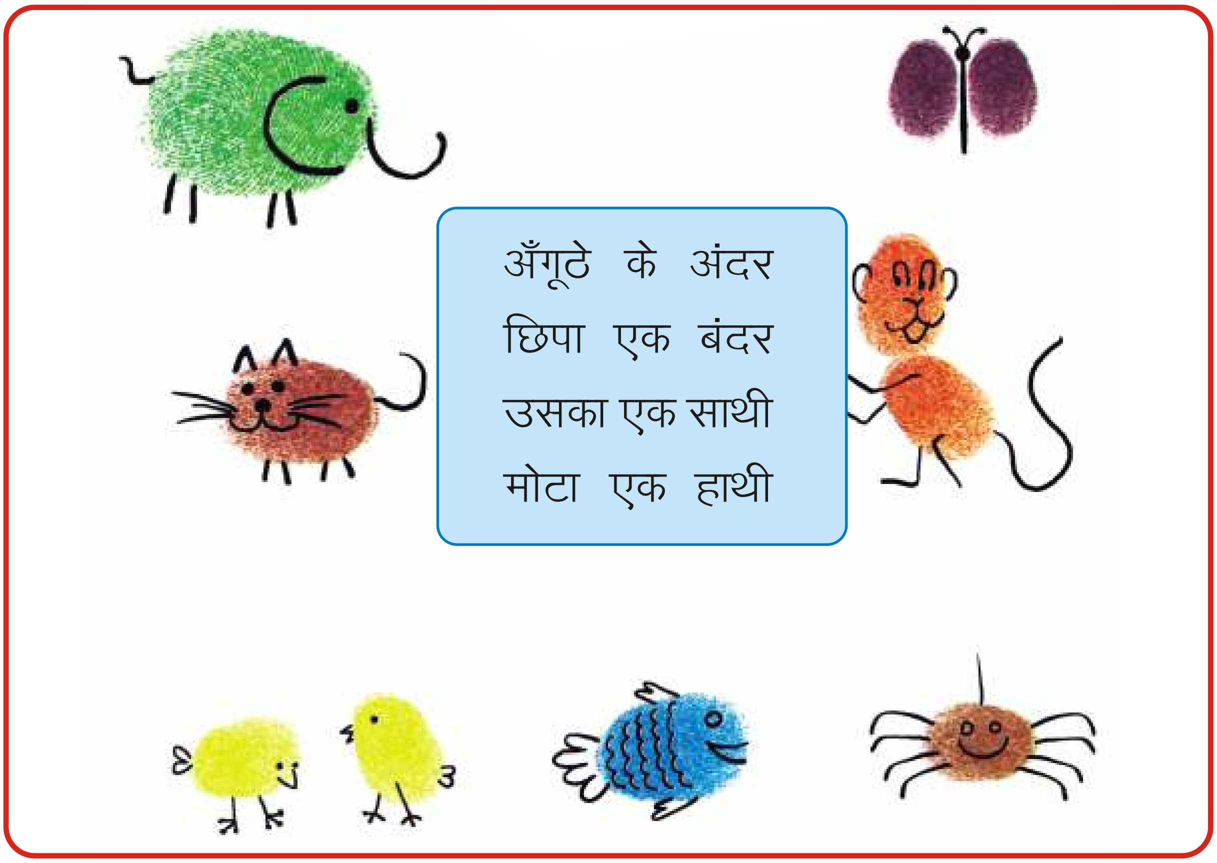

3

कलाकार बना मंत्री

तेनाली रामकृष्ण की बुद्धिमत्ता के अनेक किस्से प्रचलित हैं। प्रस्तुत पाठ में तेनाली रामकृष्ण की बुद्धिमत्ता के ऐसे ही एक प्रसंग का वर्णन है।

कई साल पहले विजयनगर में श्री कृष्णदेव राय नामक एक राजा राज करते थे। उनके दरबार में एक दरबारी बहुत बुद्धिमान और हाजिरजवाब था। राजा व अन्य दरबारी उसका खूब आदर करते थे। उसका नाम था–तेनाली रामकृष्ण।

एक बार राजा श्री कृष्णदेव राय ने एक कलाकार से अपना चित्र बनवाया। उस कलाकार का नाम था–राजवर्मा। राजवर्मा ने राजा का बहुत सुंदर चित्र बनाया था। चित्र देखकर राजा बहुत खुश हुए। उन्होंने राजवर्मा को अपना मंत्री बना दिया।

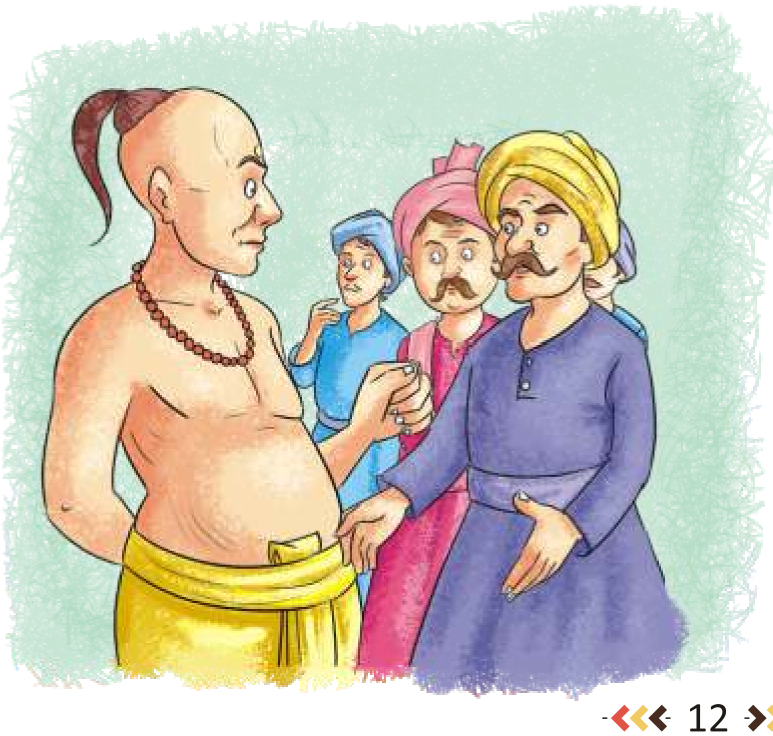

राजवर्मा कलाकार था, इसलिए उसे राज-काज की कोई जानकारी न थी। प्रबंध-कार्य में उससे अक्सर गड़बड़ हो जाती थी। इससे प्रजा दुखी हो गई थी। लोग मिलकर तेनाली रामकृष्ण के पास गए और उनसे प्रार्थना की कि वे राजवर्मा को राज-काज से मुक्त करा दें।

तेनाली रामकृष्ण ने लोगों से कहा, ''राजा श्री कृष्णदेव राजवर्मा को बहुत चाहते हैं, अत: जरा सोचना पड़ेगा। अभी तो आप लोग जाइए।''

थोड़े दिनों के बाद तेनाली रामकृष्ण ने राजा श्री कृष्णदेव राय को अपने घर भोजन के लिए आमंत्रित किया। राजा ने निमंत्रण स्वीकार कर लिया। तेनाली रामकृष्ण ने भोजन बनाने के लिए बढ़इयों को बुलाया। निश्चित समय पर राजा अपने परिजनों के साथ तेनाली रामकृष्ण के घर भोजन करने पधारे।

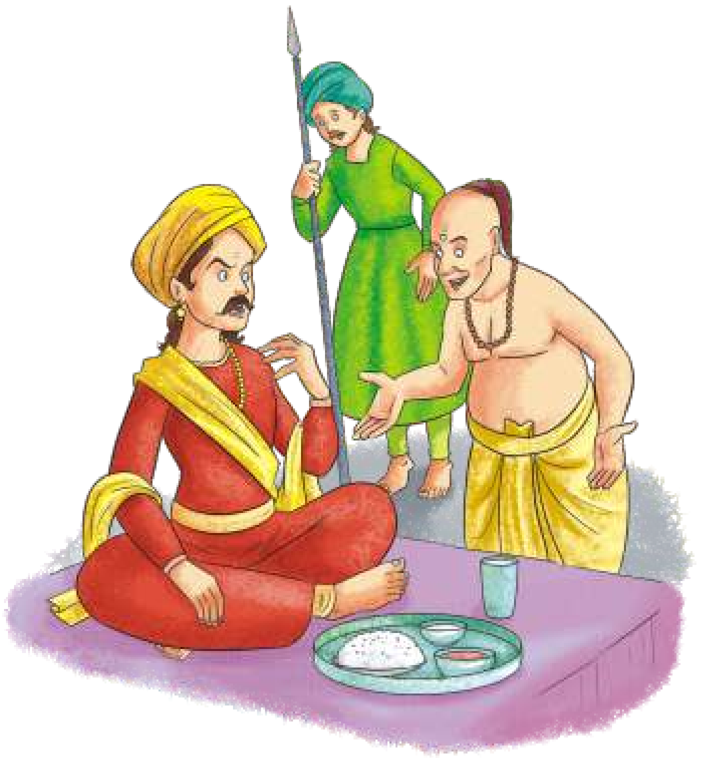

सब लोग भोजन करने बैठे। भोजन परोसा गया। मेहमानों ने जैसे ही पहला कौर मुँह में डाला, वैसे ही सिसकार उठे। उनकी आँखों में पानी आ गया। राजा गुस्से से बोले, ''अरे रामकृष्ण! यह कैसा भोजन बनवाया है, तुमने? क्या तुम हमें मार डालना चाहते हो? यह भोजन किसने बनाया है?''

तेनाली रामकृष्ण ने जवाब दिया, ''महाराज! यह भोजन तो बहुत अच्छे बढ़इयों ने बनाया है।''

राजा बोले, ''अरे! बढ़इयों को भोजन बनाना कैसे आएगा? वे तो लकड़ी काटना, चीरना, छीलना और सिंहासन बनाना जानते हैं। भोजन बनाना उनका काम नहीं है। रामकृष्ण! तुम पागल हो गए हो क्या?''

तेनाली रामकृष्ण ने हाथ जोड़कर कहा, ''महाराज, क्षमा करें। जब कलाकार मंत्री बन सकता है, राज-काज सँभाल सकता है, तब बढ़ई भोजन क्यों नहीं बना सकते?''

राजा श्री कृष्णदेव राय तेनाली रामकृष्ण की बात समझ गए। उन्होंने राजवर्मा को मंत्री के पद से हटाकर कला-विद्यालय का व्यवस्थापक बना दिया।

कठिन शब्द

गड़बड़ ■ बुद्धिमान ■ हाजिरजवाब

प्रार्थना ■ सिसकार ■ बढ़इयों ■ सिंहासन

शब्दार्थ

हाजिरजवाब	-	तुरंत जवाब देने वाला	**राज-काज**	-	शासन के कार्य
गड़बड़	-	गलती	**मुक्त**	-	स्वतंत्र
आमंत्रित किया	-	बुलाया	**परिजनों**	-	परिवार के लोगों
कौर	-	निवाला	**व्यवस्थापक**	-	व्यवस्था करने वाला

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   हाजिरजवाब, आमंत्रित, बढ़इयों, सिंहासन
2. तेनाली रामकृष्ण कौन था ?
3. प्रजा क्यों दुखी हो गई थी ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. दरबारी तेनाली रामकृष्ण का आदर क्यों करते थे ?
2. राजवर्मा कौन था ?
3. राजा श्री कृष्णदेव राय ने राजवर्मा से प्रसन्न होकर क्या किया ?
4. तेनाली रामकृष्ण ने भोजन किससे बनवाया था ?
5. तेनाली रामकृष्ण ने क्या कहकर राजा को समझाया ?
6. अंत में राजा ने राजवर्मा को क्या कार्य सौंपा ?

ग. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए—

1. तेनाली रामकृष्ण बुद्धिमान और हाजिरजवाब था। ☐
2. राजवर्मा ने तेनाली रामकृष्ण का चित्र बनाया था। ☐
3. राजा ने राजवर्मा को अपना मंत्री बना दिया। ☐
4. बढ़इयों ने बहुत स्वादिष्ट भोजन बनाया था। ☐

घ. किसने कहा—

1. ``अभी तो आप लोग जाइए।'' ____________
2. ``यह कैसा भोजन बनवाया है, तुमने ?'' ____________
3. ``भोजन बनाना उनका काम नहीं है।'' ____________
4. ``महाराज, क्षमा करें।'' ____________

अब भाषा की बात

क. उपयुक्त स्थान पर 'ब' अथवा 'व' लिखकर शब्द बनाइए—

__ढ़ई	दर__ारी	__ुद्धिमान	स्__ादिष्ट
ज__ाब	गड़__ड़	राज__र्मा	प्र__ंध

ख. निम्नलिखित शब्दों के सामने सही क्रिया शब्द चुनकर लिखिए—

बनवाया, परोसा, दिया, किया

भोजन -	परोसा	चित्र -	____________
आमंत्रित -	____________	जवाब -	____________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

विशेषता बताने वाले शब्दों पर ✓ लगाइए—

1. (i) काटना ☐ (ii) सुंदर ☐ (iii) छीलना ☐
2. (i) सिंहासन ☐ (ii) विद्यालय ☐ (iii) बड़ा ☐
3. (i) बुद्धिमान ☐ (ii) तेनाली रामकृष्ण ☐ (iii) राजवर्मा ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, प्रत्येक व्यक्ति में कुछ-न-कुछ विशेष योग्यता अवश्य होती है और वह उससे संबंधित काम को बहुत अच्छी तरह कर सकता है। आपको क्या करना सबसे अच्छा लगता है? अपनी रुचि को पहचानिए और उसे विकसित कीजिए।

ख. कुछ और करके देखें–

पाठ पढ़कर आपने जाना कि लकड़ी काटना, छीलना और उससे तरह-तरह के सामान बनाना बढ़ई का काम होता है। नीचे बने चित्रों को ध्यान से देखिए और बताइए कि वे कौन हैं और क्या काम करते हैं?

ग. अब हँसने की बारी—

(1)

एक पागल चिड़ियाघर में घूमने आया। घूमने के बाद वह अधिकारी के पास शिकायत करने गया।

पागल - अरे साहब, आपके सारे कर्मचारी बेवकूफ हैं क्या?

अधिकारी - क्यों, क्या हुआ ?

पागल - इतने बड़े शेर को पिंजरे में बंद कर रखा है।

अधिकारी - तो क्या खुला छोड़ दें ?

पागल - हाँ, मैंने उसे खोल दिया है। उसे चुराएगा कौन ?

(2)

एक दोस्त - मैं अमेरिका जाने की सोच रहा हूँ। जरा हिसाब लगाकर बताओ कितने रुपये लगेंगे ?

दूसरा दोस्त - एक भी नहीं, सोचने का एक भी रुपया नहीं लगता।

घ. बूझो तो जानें–

नीचे लिखी पहेलियों को समझो और उनके सही उत्तर वाले चित्र से मिलाओ–

1. बीच कटे तो बाल कहलाऊँ,
   प्रथम कटे तो दल बन जाऊँ।
   उमड़-घुमड़कर आसमान से,
   बरसूँ, धरती की प्यास बुझाऊँ।

2. दूर गगन में उड़ती हूँ।
   हवा से बातें करती हूँ।
   पूँछ है सबसे लंबी मेरी,
   नाम बताओ करो न देरी।

3. बच्चों का मैं दोस्त निराला,
   सबको खूब हँसाने वाला।
   हर सरकस में दिखता हूँ मैं,
   कितने करतब करता हूँ मैं।

बोलती गुफा

प्रस्तुत कहानी एक शेर और सियार की रोचक कहानी है। इसमें बताया गया है कि किस प्रकार सियार ने अपनी बुद्धि का प्रयोग करके शेर से अपने प्राणों की रक्षा की।

एक था शेर।

एक दिन शेर पूरे जंगल में घूमता रहा, पर उसे एक भी शिकार नहीं मिला। वह थक गया था।

शाम का समय हो रहा था। शेर ने गहरी साँस छोड़ी और मन-ही-मन बोला, 'लगता है आज भूखे पेट ही रहना पड़ेगा।'

शेर इधर-उधर नजर दौड़ाता हुआ अपनी गुफा की ओर लौट रहा था। तभी उसकी नजर एक अन्य गुफा पर पड़ी।

शेर ने सोचा, 'देखता चलूँ। गुफा में शायद कोई शिकार मिल जाए।' शेर ने गुफा के भीतर जाकर देखा तो गुफा खाली थी। गुफा खाली देखकर शेर उदास हो गया। तभी उसके मन में एक विचार आया– 'शाम होने वाली है। इस गुफा में जो जानवर रहता होगा, वह

वापस आता ही होगा। मैं इस गुफा में ही छिपकर बैठ जाता हूँ। यहाँ बैठे-बैठे ही शिकार मिल जाएगा... पेट भर जाएगा।'

यह सोचकर शेर गुफा के भीतर चुपचाप छिप गया और शिकार के आने का बेसब्री से इंतजार करने लगा।

यह गुफा एक सियार की थी। सियार बहुत चालाक जानवर होता है।

थोड़ी देर में चारों ओर देखता-सुनता-सूँघता सियार आ पहुँचा।

तभी यकायक सियार के पैर थम गए। शाम के धुँधलके में भी सियार का ध्यान गुफा के बाहर बने पंजों के निशान पर गया।

`अरे! ये तो शेर के पंजों के निशान हैं! गुफा के भीतर जाने वाले पंजों के निशान तो दिखाई देते हैं, पर गुफा से बाहर आने वाले निशान कहाँ हैं?

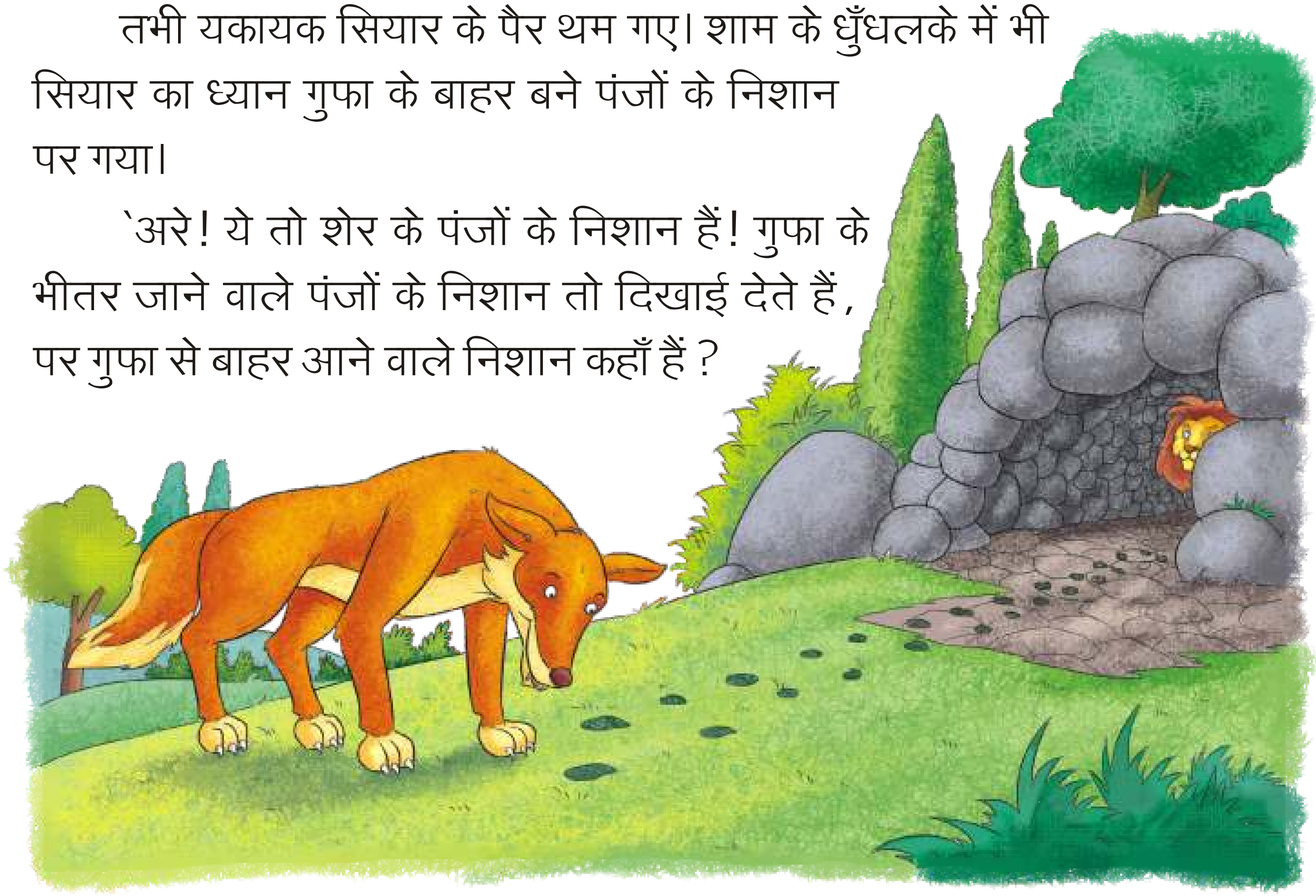

निश्चित रूप से शेर महाराज अंदर ही बैठे होंगे और शिकार के गुफा में प्रवेश करने की राह देख रहे होंगे।

अच्छा हुआ, सूर्य डूबने के पहले ही मैं अपनी गुफा तक आ गया। यदि कुछ और देर कर दी होती, तो अँधेरे में शेर के पंजों के ये निशान न दिखते।'

सियार ने सोचा।

फिर उसने अपनी आँखें झपकाईं और पूँछ हिलाई। बाद में ऊँचे स्वर में उसने कहा, ``गुफा, ओ गुफा....''

फिर कुछ देर वह चुप रहा।

इसके बाद उसने फिर कहा, ``गुफा, अरे गुफा... आज तू बोलती क्यों नहीं? रोज तो मैं जब कहता, `गुफा, ओ गुफा.....' तो तू कहती थी : आजा रे, आजा! कैसा रहा आज का दिन?''

अंदर छिपकर बैठे हुए शेर ने सोचा, `रोज गुफा ऐसे ही बोलती होगी। लेकिन लगता है आज वह मेरी उपस्थिति से डर गई है। इसलिए डर के मारे उसके मुँह से आवाज नहीं निकली। गुफा के बदले मैं ही जवाब दे दूँ तो?'

सियार ने थोड़ी देर के बाद फिर कहा, ``गुफा, अरे! ओ गुफा....''

तभी अंदर छिपे हुए शेर ने दबी हुई आवाज में कहा, ``आजा रे, आजा.... कैसा रहा आज का दिन?''

शेर की आवाज भला कहीं छिप सकती है!

उसकी आवाज से गुफा गूँज उठी। आस-पास रहने वाले जानवर भी उसकी दहाड़ सुनकर सावधान हो गए।

शेर सोच रहा था कि अब सियार अंदर आएगा। परंतु सियार के बदले उसकी आवाज आई–

``शेर महाराज, गुफा भी कहीं बोलती है! अच्छा तो आप मेरी गुफा में आराम करें, मैं तो चला.....।''

शेर ने गुफा से सिर बाहर निकालकर देखा–सियार अपनी जान बचाकर भाग रहा था....।

कठिन शब्द

शिकार ■ गुफा ■ विचार ■ इंतजार ■ सूँघता
झपकाईं ■ उपस्थिति ■ धुँधलके ■ निश्चित ■ प्रवेश

शब्दार्थ

नजर दौड़ाना	-	देखना	**भीतर**	-	अंदर
बेसब्री	-	बेचैनी	**इंतजार**	-	प्रतीक्षा
यकायक	-	अचानक	**धुँधलके में**	-	हल्की रोशनी में
प्रवेश करने की	-	अंदर आने की	**राह देखना**	-	प्रतीक्षा करना
झपकाईं	-	धीरे से बंद कीं	**दबी हुई**	-	धीमी

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   स्वर, बेसब्री, सूँघता, धुँधलके, प्रवेश, उपस्थिति
2. शेर जंगल में क्यों घूम रहा था ?
3. सियार ने कैसे पता लगाया कि शेर उसकी गुफा के अंदर है ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. शिकार की तलाश में कौन घूम रहा था ?
2. शेर छिपकर कहाँ बैठा था ?
3. सियार ने गुफा के बाहर क्या देखा था ?
4. शेर ने गुफा से सिर बाहर निकालकर क्या देखा ?

ग. कहानी के अनुसार निम्नलिखित कथनों के सामने क्रमांक लिखिए–

1. शेर की नजर एक गुफा पर पड़ी। ☐
2. एक दिन शेर को कोई शिकार नहीं मिला। ☐
3. सियार ने ऊँचे स्वर में कहा - ``गुफा, अरे ओ गुफा...। ☐
4. ``अरे! ये तो शेर के पंजों के निशान हैं।'' ☐
5. सियार अपनी जान बचाकर भाग रहा था...। ☐
6. शेर ने सोचा–`गुफा के बदले मैं ही जवाब दे दूँ तो?' ☐

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. शेर जंगल में क्यों घूम रहा था?
   (i) शिकार की खोज में ☐ (ii) पानी की खोज में ☐
   (iii) रहने की जगह की खोज में ☐
2. शेर किसकी गुफा में छिपकर बैठा था?
   (i) गीदड़ की ☐ (ii) सियार की ☐ (iii) गधे की ☐
3. सियार ने गुफा के बाहर किसके पंजे के निशान देखे?
   (i) बिल्ली के ☐ (ii) कुत्ते के ☐ (iii) शेर के ☐

अब भाषा की बात

क. `श' अथवा `स' लगाकर उचित शब्द बनाइए–

ि__कार	साँ__	बे__ब्री	__ाम
__िवधान	नि__ान	आ__पा__	प्रवे__

ख. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

शाम- ____________________

जंगल- ____________________

भीतर- ____________________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

बेमेल शब्द पर ✓ लगाइए–

1.	(i)	सियार	☐	(ii)	गधा	☐	(iii)	कौआ	☐
2.	(i)	सेब	☐	(ii)	आलू	☐	(iii)	अनार	☐
3.	(i)	शेर	☐	(ii)	मोर	☐	(iii)	कबूतर	☐
4.	(i)	कुर्सी	☐	(ii)	गुलाब	☐	(iii)	गेंदा	☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, चतुराई से काम लेकर बड़ी-से-बड़ी परेशानी को भी टाला जा सकता है। चतुर होना अच्छी बात है। परंतु चालाकी दिखाना अथवा किसी को धोखा देना गलत बात है। ऐसा कभी नहीं करना चाहिए।

ख. आपके विचार से–

चित्रकार से चित्र बनाते समय कुछ गलतियाँ हो गई हैं। आप सोचिए और बताइए कि किसे कहाँ होना चाहिए ?

ग. अब हँसने की बारी–

एक बार बहुत तेज तूफान आया। एक मच्छर उसमें फँस गया। वह फटाफट जाकर एक बड़े से पेड़ से चिपक गया। तूफान थम गया तो वह पेड़ से बोला– ``अगर आज मैं न होता तो तुम्हारा न जाने क्या हाल होता।''

केवल पढ़ने के लिए

अजब-गजब, पर सच

बंदर होते हैं मेहमान

मंकी बफे फेस्टिवल

25 नवंबर

लोपबुरी, थाईलैंड

केले या चने तो खिलाए होंगे, लेकिन क्या कभी दावत दी है आपने बंदरों को...? थाईलैंड में हर साल उन्हें दावत देने के लिए 'मंकी बफे फेस्टिवल' मनाया जाता है। इसका कारण भले ही पर्यटन को बढ़ावा देना हो, लेकिन इस उत्सव को दुनिया के सबसे अजीबो-गरीब रिवाजों में शामिल किया गया है। थाईलैंड के लोपबुरी प्रांत में हर साल आस-पास के बंदरों के लिए यह प्रबंध किया जाता है। जरा सोचिए– फल, सब्जी और जूस से भरा एक हॉल और कई सारे बंदर हों मेहमान बनकर...।

मीठी-सी नाव पर रेस

पुडिंग बोट रेस

9 जून

ब्रॉबे, नॉर्थ यॉर्कशाअर

कभी सोचा है आटे और चीनी की एक बड़ी-सी नाव में बैठकर पानी में रेस लगाई जाए तो कैसा होगा? इंग्लैंड के उत्तरी यॉर्कशाअर स्थित ब्रॉबे के बॉब तालाब में हर साल इस रेस का आयोजन किया जाता है। पुडिंग बोट रेस के दौरान लोग आटा, चीनी और अंडे से नाव के आकार की एक पुडिंग बनाते हैं, इसे वाटर प्रूफ कोटिंग दी जाती है। इसमें बैठकर पानी में रेस लगाई जाती है।

5

तितली रानी

बच्चों को रंग-बिरंगी तितलियाँ बहुत अच्छी लगती हैं। प्रस्तुत कविता में एक बच्चा एक सुंदर तितली से अपनी बगिया में रोज आने के लिए कह रहा है।

तितली रानी ! तितली रानी !
कौन लोक से आई हो ?
सुंदर-सुंदर , रंग-बिरंगे ,
पंख कहाँ से लाई हो ?
बड़ी भली हो , बड़ी निराली ,
मधुर सुरों में गाती हो।
मीठा रस पीने की खातिर ,
फूल-फूल पर जाती हो।

कली-कली से प्यार तुम्हारा ,
फूल-फूल से नाता है।
भौंरा मित्र तुम्हारा तितली ,
'गुनगुन' सुर में गाता है।
आना , तितली रानी , मेरी
बगिया में तुम नित आना।
रंग-बिरंगे पंख दिखाकर ,
मेरे मन को हर्षाना।

कठिन शब्द

पंख ■ मधुर ■ भौंरा ■ बगिया ■ हर्षाना

शब्दार्थ

लोक	-	दुनिया	**रंग-बिरंगे**	-	कई रंग के
निराली	-	अनोखी	**मधुर**	-	मीठा
सुर	-	स्वर, गाने की आवाज	**खातिर**	-	के लिए
नाता	-	संबंध, रिश्ता	**बगिया**	-	बगीचा
नित	-	रोज	**हर्षाना**	-	प्रसन्न करना

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   पंख, रंग-बिरंगे, खातिर, भौंरा, हर्षाना
2. कविता को याद करिए और अभिनय सहित गाकर सुनाइए।
3. तितली कैसे सुर में गाती है ?
4. आपने किस-किस रंग की तितलियाँ देखी हैं ?
5. तितली का नाता किससे है ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. तितली के पंख कैसे होते हैं ?
2. तितली फूल-फूल पर क्यों जाती है ?

3. तितली का मित्र कौन है ?

4. बच्चा तितली को कहाँ बुलाना चाहता है ?

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए—

1. तितली कैसी है ?

(i) निराली ☐ (ii) काली ☐ (iii) गंदी ☐

2. तितली किसका रस पीती है ?

(i) आम का ☐ (ii) गन्ने का ☐ (iii) फूल का ☐

3. भौंरा किस स्वर में गाता है ?

(i) चुलबुल ☐ (ii) रिमझिम ☐ (iii) गुनगुन ☐

घ. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए—

1. ________ ! तितली रानी !

कौन ________ से आई हो ?

2. ________ पीने की खातिर,

________ पर जाती हो।

3. ________ मित्र तुम्हारा ________,

________ सुर में गाता है।

अब भाषा की बात

क. वर्णों का क्रम ठीक करके शब्द बनाइए। सभी शब्द आपको कविता में मिल जाएँगे।

तिलीत	________	लीरानि	________
मरधु	________	खारति	________
गियाब	________	गुननगु	________

ख. उदाहरण को समझिए और क्रिया को सही रूप में प्रयोगकर वाक्य पूरे कीजिए–

गाना - तितली **गाती** है।

भौंरा **गाता** है।

1. **दौड़ना** - विशाल ________ है।

सरिता ________ है।

2. **बनाना** - संजीव चित्र ________ है।

रागिनी चित्र ________ है।

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

क्रिया शब्द पर ✓ लगाइए–

1. (i) तितली ☐ (ii) लोक ☐ (iii) आई ☐
2. (i) सुंदर ☐ (ii) उड़ना ☐ (iii) पंख ☐
3. (i) गाती हो ☐ (ii) मधुर ☐ (iii) गीत ☐
4. (i) फूल ☐ (ii) लाई ☐ (iii) रंग-बिरंगे ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, फूलों पर मँडराती हुई तितलियाँ बहुत सुंदर लगती हैं। कुछ बच्चे इन्हें पकड़कर किसी बोतल आदि में बंद कर लेते हैं। ऐसा कभी नहीं करना चाहिए। इससे तितलियाँ मर जाती हैं।

ख. आपके विचार से–

तितलियों को उड़ता देखकर आपके मन में क्या विचार आते हैं? यदि आपको भी उड़ने के लिए पंख मिल जाएँ तो आप क्या करेंगे? अपने विचार अपने मित्रों को बताइए।

ग. बूझो तो जानें–

नीचे बनी तितलियों के पंखों में कौन-कौन से रंग हैं, जरा बताइए तो–

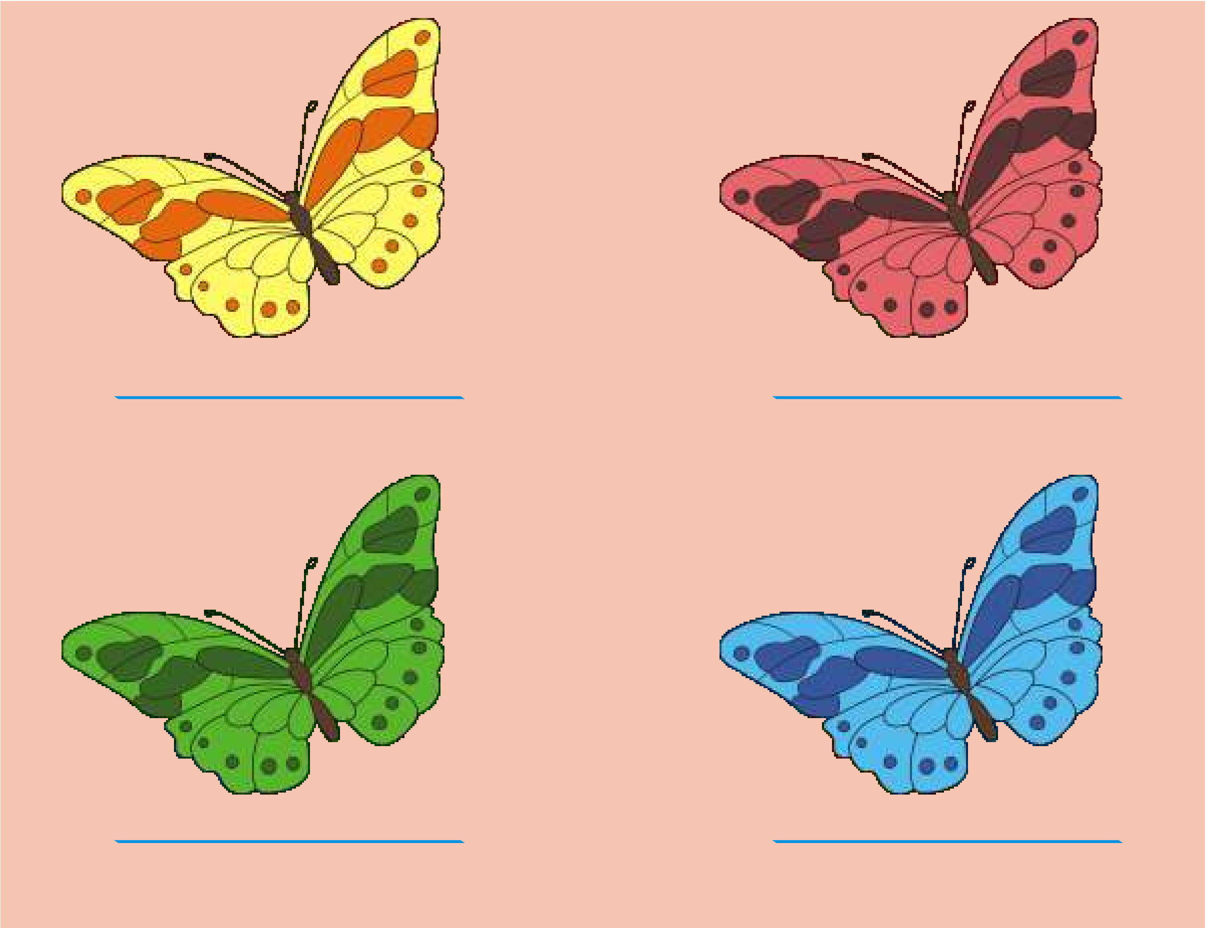

घ. कुछ और करके देखें–

तितली बहुत सुंदर दिखती है। और कौन-कौन से पशु-पक्षी हैं जो आपको सुंदर लगते हैं ? अपनी पसंद के कुछ पशु-पक्षियों के चित्र नीचे लगाइए।

6

सुरीला पक्षी : कोयल

प्रस्तुत पाठ में कोयल के बारे में सामान्य जानकारी दी गई है। आपके लिए यह जानकारी काफी रोचक और ज्ञानवर्धक है।

कोयल भारतीय पक्षियों में सबसे सुरीला पक्षी है। इसकी सुरीली और मधुर आवाज की प्रशंसा में अनेक कवियों ने कविताएँ लिखी हैं। बसंत ऋतु में पेड़ों के झुरमुट के बीच कोयल का मधुर गीत सुना जा सकता है। सर्दी का मौसम आरंभ होते ही कोयल मौन धारण कर लेती है और इस ऋतु में देश के गरम भागों में चली जाती है।

कोयल एक विचित्र पक्षी है। यह कभी भी अपने लिए घोंसला नहीं बनाती। अप्रैल से अगस्त तक मादा कोयल किसी कौए के घोंसले की खोज करके उसी में अपने अंडे दे देती है और उन्हें वहीं छोड़ देती है।

कोयल के अंडों का रंग हल्का स्लेटी होता है। उन पर भूरे रंग की चित्तियाँ होती हैं। वे देखने में कौए के अंडों जैसे ही लगते हैं। बेचारी मादा कौआ बिना किसी शंका के अपने अंडों के साथ कोयल के अंडे भी सेती है। अंडों से बच्चे निकलने पर अपने बच्चों के साथ उन्हें खिलाती-पिलाती भी है।

नर कोयल चमकीले काले रंग का होता है। उसकी आँखों के आस-पास पीला-हरा और लाल रंग पाया जाता है। मादा कोयल नर से बिलकुल भिन्न होती है। उसका रंग भूरा होता है और उस पर सफेद चित्तियाँ और धारियाँ पाई जाती हैं। कोयल बड़े और घने पत्तों वाले पेड़ों पर रहना पसंद करती है। ये अधिकांशत: आम के वृक्षों पर दिखाई देती हैं। ये भारत के कई भागों में पाई जाती हैं।

कोयल फल , कीड़े-मकोड़े तथा शुंडी इत्यादि खाती है।

कठिन शब्द

सुरीला ■ प्रशंसा ■ आरंभ ■ विचित्र
चित्तियाँ ■ शंका ■ अधिकांशत:

शब्दार्थ

सुरीला	-	सुर में बोलने वाला	**मधुर**	-	मीठी
प्रशंसा	-	तारीफ	**अनेक**	-	बहुत सारे
झुरमुट	-	झुंड	**ऋतु**	-	मौसम
धारण कर लेती है	-	अपना लेती है	**आरंभ**	-	शुरू
चित्तियाँ	-	धब्बे	**विचित्र**	-	अनोखा
अधिकांशत:	-	अधिकतर	**भिन्न**	-	अलग
शुंडी	-	रेंगकर चलने वाले छोटे कीड़े (सूड़ी)			

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए—

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए—
   सुरीला, प्रशंसा, आरंभ, विचित्र, शुंडी
2. कुछ पक्षियों के नाम बताइए।
3. कोयल का मधुर गीत किस ऋतु में सुना जा सकता है?
4. कोयल किसके घोंसले में अंडे देती है?
5. क्या आपने कोयल को देखा है? यदि हाँ, तो कहाँ और कब?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. सबसे सुरीला पक्षी कौन-सा है ?
2. कोयल को विचित्र पक्षी क्यों कहते हैं ?
3. कोयल के अंडे कैसे होते हैं ?
4. कोयल कहाँ रहना पसंद करती है ?
5. कोयल क्या-क्या खाती है ?

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

कौए, मधुर, काले, बसंत

1. कोयल की आवाज बहुत ____________ होती है।
2. कोयल का गीत ____________ ऋतु में सुना जा सकता है।
3. मादा कोयल ____________ के घोंसले में अंडे देती है।
4. नर कोयल चमकीले ____________ रंग का होता है।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. कोयल की बोली होती है–
   (i) मधुर ☐ (ii) तीखी ☐
2. कोयल किसके घोंसले में अंडे देती है ?
   (i) कबूतर के ☐ (ii) कौए के ☐
3. कोयल के अंडों का रंग होता है–
   (i) हल्का गुलाबी ☐ (ii) हल्का स्लेटी ☐
4. मादा कोयल का रंग होता है–
   (i) भूरा ☐ (ii) पीला ☐

क. निम्नलिखित शब्दों में से एकवचन और बहुवचन वाले शब्दों को अलग-अलग कीजिए–

पक्षी, कौए, घोंसले, कीड़े, पेड़, अंडा

एकवचन ____________ ____________ ____________

बहुवचन ____________ ____________ ____________

ख. रंगीन वर्णों पर 'इ' (ि) अथवा 'ई' (ी) की मात्रा लगाकर सही शब्द बनाइए–

भारतय	____________	सुरला	____________
धारयाँ	____________	वचित्र	____________
चमकले	____________	कवयों	____________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

समान अर्थ वाले शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. विचित्र – (i) अनोखा ☐ (ii) पंछी ☐ (iii) पक्ष ☐
2. गीत – (i) गीता ☐ (ii) गायक ☐ (iii) गाना ☐
3. ऋतु – (i) मौसम ☐ (ii) दिन ☐ (iii) शाम ☐
4. भिन्न – (i) भीना ☐ (ii) भागा ☐ (iii) अलग ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

ईश्वर ने प्रकृति में बहुत सुंदर-सुंदर पक्षियों को बनाया है। इनमें से अधिकांश पक्षी पेड़ों पर अपना घोंसला बनाकर रहते हैं। पेड़ों की संख्या लगातार कम होने से इनको रहने व खाने-पीने की चीजों के लिए परेशानी हो जाती है। बच्चो, आपको अपने घर के आँगन अथवा बालकनी में पक्षियों के लिए दाना व पानी रखना चाहिए।

ख. आपके विचार से–

नीचे दिए गए पक्षियों को पहचानिए और उनके नाम बताइए। उनको आपने कैसे पहचाना, यह भी बताइए।

ग. कलाकारी दिखाएँ–

बिंदुओं को मिलाकर चित्र को पूरा कीजिए और रंग भरिए। अपनी तरफ से उसे एक प्यारा-सा नाम दीजिए।

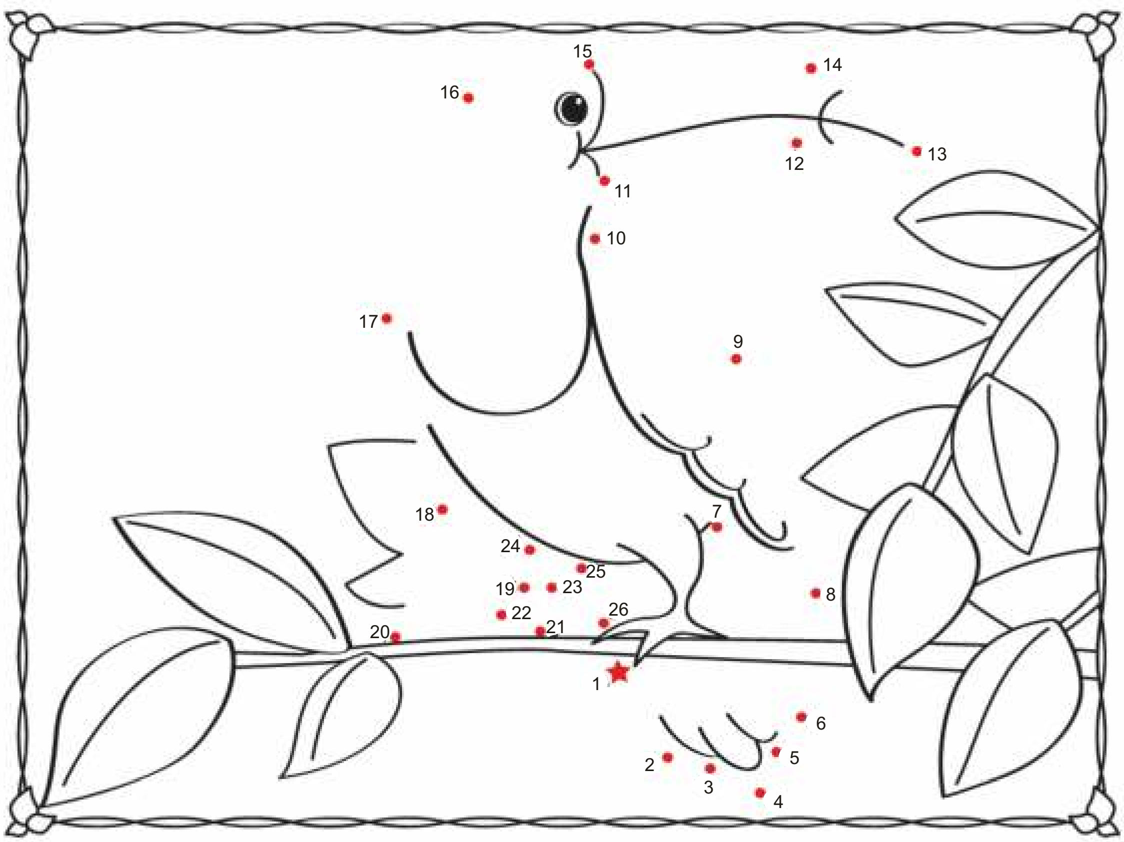

7

छोटा फूल

प्रस्तुत पाठ में वृक्षों तथा फूलों के महत्व को बताया गया है। एक छोटे-से फूल के उदाहरण द्वारा वृक्षों व फूलों को नुकसान न पहुँचाने की प्रेरणा दी गई है।

रोहित के घर के सामने एक सुंदर बगीचा था। उसमें तरह-तरह के पेड़ और रंग-बिरंगे फूलों के बहुत-से पौधे थे। रोहित रोज अपने मित्रों के साथ उस बगीचे में खेलने जाता था। आज उसका कोई भी साथी खेलने नहीं आया था। वह उदास होकर फूलों की क्यारी के पास बनी एक बेंच पर बैठ गया। अचानक उसे एक मधुर आवाज सुनाई दी। ध्यान से सुनने पर वह समझ गया कि पास की क्यारी में खिले फूल आपस में बातें कर रहे थे।

``सच! कितना सुहावना मौसम है और कितना खूबसूरत है, यह बगीचा।''

``अहा! कैसी अच्छी और ठंडी हवा चल रही है। जब हमारी डाली हिलती है तो झूला झूलने में कितना मजा आता है।''

नीले रंग के एक छोटे-से फूल की बात सुनकर गुलाब के फूल ने ठंडी साँस भरी और उसे सच्चाई बताते हुए कहा, ``ज्यादा इतराओ मत। कुछ देर और खुश हो जाओ। लोगों के बगीचे में आते ही ....।''

``लोगों के बगीचे में आते ही क्या होगा?'' छोटे फूल ने गर्दन उचकाकर मासूमियत से पूछा।

``खुद ही समझ जाओगे''—गुलाब के फूल ने धीरे-से कहा।

छोटा फूल कुछ समझा तो नहीं, पर कुछ सहम जरूर गया। रोहित को भी कुछ समझ नहीं आ रहा था। उसे सब कुछ बड़ा रोचक लग रहा था। अचानक किसी के कदमों की आहट पाकर वह छोटा फूल पत्तों के बीच दुबक गया। तभी एक महिला पास आती हुई दिखाई दी। रंग-बिरंगे फूलों को देखते ही उस महिला ने जल्दी-जल्दी कुछ फूल तोड़े और वापस चली गई। छोटा फूल खामोशी से यह सब देखता रहा। वह बहुत घबरा गया था। डाल पर झूला झूलने का उसका सारा जोश अब फीका पड़ चुका था। बाग की ठंडी हवा, फूलों की मीठी खुशबू और चिड़ियों का चहकना; उसे कुछ भी अच्छा नहीं लग रहा था। अब रोहित को भी गुलाब के फूल की बात का कुछ-कुछ मतलब समझ में आ रहा था। तभी एक गेंद बड़ी तेजी-से आई और उसके पास आकर रुक गई। गेंद के पीछे-पीछे चार-पाँच साल का बच्चा भी दौड़ता हुआ आया और अपनी गेंद उठाने के लिए नीचे झुका। उसकी निगाह पत्तों के बीच छिपे छोटे फूल पर पड़ी। बच्चा खुशी से चिल्लाया—``अहा, कितना सुंदर फूल!'' बच्चे का हाथ अपनी ओर बढ़ता देखकर छोटा फूल समझ गया कि अब उसका भी आखिरी समय पास ही है। वह डर से काँप उठा। उसने सहमकर आँखें मूँद लीं। उसे लगा कि `अब ....... हाँ, शायद अब ...... वह नहीं बचेगा।' पर यह क्या? रोहित ने उस बच्चे के हाथों को रोक दिया और बोला— ``नहीं, दोस्त! फूलों को तोड़ना अच्छी बात नहीं है। वे पौधों पर ही अच्छे लगते हैं। पौधों से अलग होने पर वे मर जाते हैं।'' रोहित के समझाने पर वह बच्चा गेंद उठाकर वापस चला गया।

रोहित फूल को अपनी कोमल उँगलियों से सहलाने लगा। वह प्यार भरी आवाज में बोला, ``डरो मत, प्यारे फूल! मैं तुम्हें नहीं तोड़ूँगा। मुझे पता है कि हमारा पर्यावरण पेड़-पौधों की वजह से ही शुद्ध रहता है। तुम तो मेरे दोस्त हो। मैं भला अपने दोस्त को तकलीफ क्यों दूँ?'' यह सुनते ही छोटे फूल ने झट आँखें खोल दीं। वह खुश था। जो बात बड़े-बूढ़ों ने नहीं समझी, वह एक छोटे बच्चे ने समझ ली थी। रोहित की इस एक बात को सुनकर पूरा बगीचा पल-भर में खुशी से चहक उठा। यह केवल एक फूल की बात नहीं थी। यह पूरे पर्यावरण को शुद्ध रखने की पहल थी।

कठिन शब्द

बेंच ■ सुहावना ■ खूबसूरत ■ मासूमियत ■ खामोशी
चहकना ■ आखिरी ■ पर्यावरण

शब्दार्थ

खुशबू	-	सुगंध	**शाखा**	-	टहनी
दुनिया	-	संसार	**हवा**	-	पवन
साथी	-	मित्र	**दुबक**	-	छिप
खुशी	-	प्रसन्नता	**जोश**	-	उत्साह
मासूमियत	-	भोलापन	**आहट**	-	धीमी आवाज
शुद्ध	-	स्वच्छ	**तकलीफ**	-	परेशानी
आखिरी समय	-	मृत्यु का समय	**मूँद लीं**	-	बंद कर लीं
पर्यावरण	-	आस-पास का वातावरण			

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए—

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए—
   क्यारी, साँस, मासूमियत, चहकना, पर्यावरण
2. रोहित कहाँ खेलने जाता था ?
3. छोटा फूल आहट सुनकर कहाँ छिप गया था ?
4. फूलों को क्यों नहीं तोड़ना चाहिए ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए—

1. बगीचे में कौन बातें कर रहा था ?
2. छोटा फूल किस रंग का था ?
3. छोटा फूल क्यों सहम गया था ?
4. महिला ने बगीचे में आकर क्या किया ?
5. रोहित ने छोटे बच्चे को क्या समझाया ?

ग. किसने कहा—

1. ``कितना सुहावना मौसम है।'' ______________
2. ``ज्यादा इतराओ मत।'' ______________
3. ``कैसी अच्छी और ठंडी हवा चल रही है।'' ______________
4. ``वे पौधों पर ही अच्छे लगते हैं।'' ______________

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए—

1. रोहित कहाँ बैठा था ?
   (i) कमरे में ☐ (ii) बगीचे में ☐ (iii) सड़क के किनारे ☐

2. रोहित को किसकी आवाज सुनाई दी ?

(i) माँ की ☐ (ii) पेड़ की ☐ (iii) फूल की ☐

3. छोटा फूल किसकी बात सुनकर सहम गया ?

(i) गुलाब के फूल की ☐ (ii) गेंदे के फूल की ☐ (iii) रोहित की ☐

4. छोटा फूल किसकी बात सुनकर खुश हो गया था ?

(i) गुलाब के फूल की ☐ (ii) रोहित की ☐ (iii) महिला की ☐

अब भाषा की बात

क. पाठ में से संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिखिए–

क्यारी ________ ________ ________ ________

ख. 'ट' अथवा 'ठ' भरकर सही शब्द बनाइए–

छो__ा क__ोर उ__ाने

मी__ी आह__ __ोकरी

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द पर ✓ लगाइए–

1. पास–

(i) समीप ☐ (ii) दूर ☐ (iii) दूरी ☐

2. ठंडा–

(i) गर्मी ☐ (ii) ठंडी ☐ (iii) गर्म ☐

3. सच–

(i) झूठा ☐ (ii) झूठे ☐ (iii) झूठ ☐

4. आना–

(i) आया ☐ (ii) आएगा ☐ (iii) जाना ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, पेड़-पौधे हमारे पर्यावरण को शुद्ध रखते हैं। हमें इनकी रक्षा करनी चाहिए। एक विशेष बात और, पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें पॉलीथीन का प्रयोग बंद करना चाहिए।

ख. आपके विचार से–

आप पर्यावरण को स्वच्छ रखने के लिए क्या-क्या प्रयास करेंगे ? अपने मित्रों से बात कीजिए और सब मिलकर इस दिशा में प्रयास कीजिए।

ग. बूझो तो जानें–

नीचे दिए गए फूलों को पहचानकर उनके नाम लिखिए–

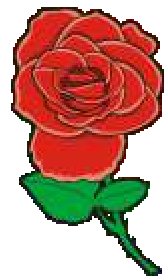

घ. कलाकारी दिखाएँ–

नीचे सुंदर से बगीचे का चित्र दिया गया है, उसमें रंग भरिए।

8

मेरा नगर : आगरा

हमारे देश के नगर यहाँ की सभ्यता और संस्कृति के प्रतीक हैं। प्रस्तुत पाठ में आगरा नगर के बारे में बताया गया है।

मेरा नाम प्रांजल है। मैं आगरा में रहता हूँ। यह नगर भारत की राजधानी दिल्ली से लगभग दो सौ किलोमीटर दूर स्थित है। इस नगर में संसार की सबसे सुंदर इमारत ताजमहल है, इसलिए आगरा को `ताजनगरी' भी कहते हैं। आगरा एक प्राचीन और ऐतिहासिक नगर है। समय-समय

पर विभिन्न शासकों ने आगरा में अनेक इमारतें और भवन बनवाकर इसकी शोभा को बढ़ाया। आगरा में ताजमहल, किला, अकबर का मकबरा, एत्माद्-उद्-दौला का मकबरा, राधास्वामी मंदिर आदि कई दर्शनीय स्थल हैं। इनके अतिरिक्त यहाँ पर मन:कामेश्वर मंदिर व कैलाश मंदिर जैसे प्राचीन व पौराणिक महत्व के पूजा-स्थल भी हैं।

ताजमहल यमुना नदी के किनारे पर स्थित है। ताजमहल को मुगल बादशाह शाहजहाँ ने अपनी पत्नी मुमताज महल की याद में बनवाया था। ताजमहल की दीवारों पर की गई सुंदर चित्रकारी प्रशंसा के योग्य है।

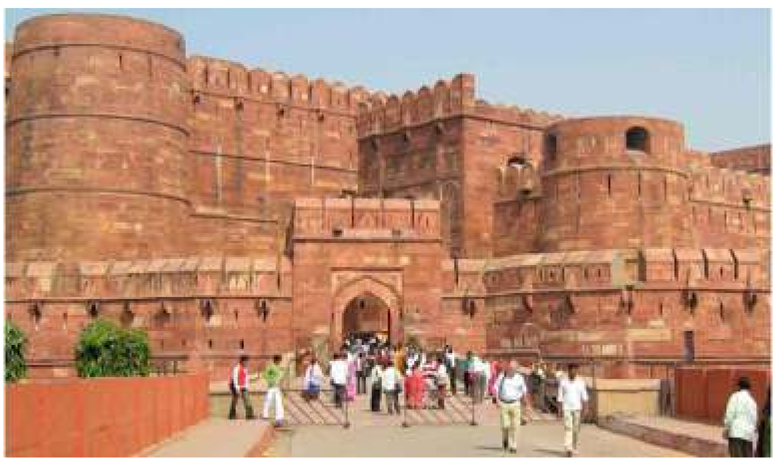

ताजमहल से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर किला स्थित है। यह विशाल किला लाल पत्थरों से बना हुआ है।

दयालबाग क्षेत्र में स्थित राधास्वामी मंदिर, सफेद संगमरमर से बनी भव्य इमारत है।

इस मंदिर में संगमरमर पर की गई कारीगरी देखते ही बनती है।

हमारे नगर में प्रतिवर्ष फरवरी के महीने में 'ताज महोत्सव' के नाम से बहुत बड़ा मेला लगता है। इसमें देश के विभिन्न भागों से कारीगर आकर अपनी हस्तकला का प्रदर्शन करते हैं। यहाँ की दुकानों से लोग हाथ की बनी वस्तुएँ बड़े चाव से खरीदते हैं।

आगरा में बनी दालमोठ और पेठा पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। हमारे शहर में बने चमड़े के जूते, इससे बनी दूसरी वस्तुएँ तथा कालीन और गलीचे भी दूर-दूर तक प्रसिद्ध हैं।

हमारे शहर में प्रतिवर्ष देश-विदेश से लाखों की संख्या में सैलानी आते हैं। वे यहाँ की इमारतों को देखकर प्रसन्न होते हैं।

देश व प्रदेश की सरकारें आगरा के विकास की ओर विशेष ध्यान दे रही हैं। आगरा को 'एक्सप्रेसवे' के माध्यम से सड़क-मार्ग द्वारा दिल्ली से जोड़ा गया है। इस मार्ग के उपयोग से आगरा से राजधानी दिल्ली तक का सफर बहुत ही कम समय में तय किया जा सकता है।

आगरा शहर की सफाई व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने के लिए आगरा नगर-निगम तथा कई अन्य संस्थाएँ प्रयासरत हैं।

हम सभी नगरवासियों को भी अपने शहर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग देना चाहिए। हम सब मिल-जुलकर ही अपने शहर को साफ और सुंदर बना सकते हैं।

कठिन शब्द

स्थित ■ प्रदर्शन ■ संगमरमर
प्रसिद्ध ■ एक्सप्रेसवे ■ संस्थाएँ

शब्दार्थ

स्थित	-	बसा हुआ	**संसार**	-	दुनिया
प्राचीन	-	पुराना	**विशाल**	-	बड़ा
ऐतिहासिक	-	इतिहास से संबंधित	**दर्शनीय**	-	देखने योग्य
शोभा	-	सुंदरता	**विकास**	-	उन्नति
हस्तकला	-	हाथ की कारीगरी	**सुचारु रूप से**	-	अच्छी तरह से
भव्य	-	विशाल और सुंदर	**प्रशंसा**	-	तारीफ

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   ऐतिहासिक, एत्माद्-उद्-दौला, दर्शनीय, हस्तकला, माध्यम
2. प्रस्तुत पाठ में किस नगर के बारे में बताया गया है?
3. आगरा को 'ताजनगरी' क्यों कहते हैं?
4. आगरा में फरवरी के महीने में कौन-सा मेला लगता है?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. प्रांजल किस शहर में रहता है?

2. आगरा के कुछ दर्शनीय स्थलों के नाम लिखिए।
3. ताजमहल को किसने और क्यों बनवाया था ?
4. `ताज महोत्सव' कब और कहाँ होता है ?
5. आगरा की कौन-कौन सी चीजें प्रसिद्ध हैं ?

ग. दिए गए शब्दों की सहायता से रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

दयालबाग, पेठा, दालमोठ, हस्तकला, ताजमहल, यमुना, ताजनगरी

1. आगरा को __________ भी कहते हैं।
2. __________ यमुना नदी के किनारे स्थित है।
3. आगरा __________ और __________ के लिए प्रसिद्ध है।
4. `ताज महोत्सव' में कारीगर अपनी __________ का प्रदर्शन करते हैं।
5. राधास्वामी मंदिर __________ क्षेत्र में स्थित है।

घ. मिलान कीजिए और वाक्य बनाइए–

आगरा को	लाल पत्थरों से बना है।
हमारे देश की राजधानी	शाहजहाँ ने बनवाया था।
आगरा का किला	`ताजनगरी' भी कहते हैं।
ताजमहल	दिल्ली है।

ङ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. ताजमहल किस नदी के किनारे स्थित है ?
   (i) गंगा ☐ (ii) यमुना ☐ (iii) सरस्वती ☐
2. `ताज महोत्सव' का आयोजन किस महीने में होता है ?
   (i) फरवरी में ☐ (ii) अप्रैल में ☐ (iii) दिसंबर में ☐
3. निम्नलिखित में से किस चीज के लिए आगरा प्रसिद्ध है ?
   (i) पेठा ☐ (ii) कपड़े ☐ (iii) फर्नीचर ☐

क. आप जानते हैं कि किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान अथवा भाव के नाम को संज्ञा कहते हैं। व्यक्ति, वस्तु और स्थान के नामों के तीन-तीन उदाहरण लिखिए–

व्यक्ति का नाम – ______________________

स्थान का नाम – ______________________

वस्तु का नाम – ______________________

ख. नीचे लिखे शब्दों का प्रयोगकर वाक्य बनाइए–

प्राचीन – ______________________

सुंदर – ______________________

विशाल – ______________________

मेला – ______________________

ग. 'का', 'की' व 'के' का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए–

1. हाथ ________ बनी वस्तुएँ
2. चमड़े ________ जूते
3. फरवरी ________ महीना
4. प्रशंसा ________ योग्य

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

बेमेल शब्द वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. (i) ताजमहल ☐ (ii) आगरा ☐ (iii) दिल्ली ☐
2. (i) पेठा ☐ (ii) कुरसी ☐ (iii) दालमोठ ☐
3. (i) फरवरी ☐ (ii) भारत ☐ (iii) दिसंबर ☐
4. (i) गंगा ☐ (ii) यमुना ☐ (iii) लखनऊ ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ , बात करें—

बच्चो , जिस तरह से हम अपने घर और विद्यालय को साफ-सुथरा रखते हैं। उसी तरह से अपने शहर को साफ-सुथरा रखना भी हमारा कर्तव्य है। हमें कभी भी घरों का कूड़ा बाहर सड़कों के किनारे नहीं फेंकना चाहिए।

कुछ लोग ऐतिहासिक इमारतों आदि पर अपने नाम लिख देते हैं। ऐसा करना गलत है। इससे उन इमारतों को नुकसान पहुँचता है और उनकी सुंदरता नष्ट होती है।

ख. आपके विचार से—

अपने मित्रों के साथ बातचीत कीजिए और योजना बनाइए कि अपने शहर को साफ-सुथरा रखने के लिए आप लोग क्या करेंगे। कुछ सामान्य प्रयास तो आप आसानी से कर सकते हैं ; जैसे—

1. चिप्स तथा बिस्कुट आदि के खाली पैकेट सड़क पर नहीं फेंकेंगे।
2. इमारतों आदि पर थूकेंगे नहीं। यदि कोई ऐसा करता है तो उसे रोकेंगे।
3. पॉलीथीन के थैलों का प्रयोग कम से कम करेंगे ; आदि।

ग. कुछ और करके देखें—

नीचे दिए गए स्थान पर आगरा में स्थित प्रमुख दर्शनीय इमारतों के चित्र चिपकाइए और उनके नाम भी लिखिए—

काले बादल

प्रस्तुत कविता में बताया गया है कि वर्षा के बिना सभी जीव-जंतु परेशान हैं अतः काले बादलों से पानी बरसाने की प्रार्थना की गई है।

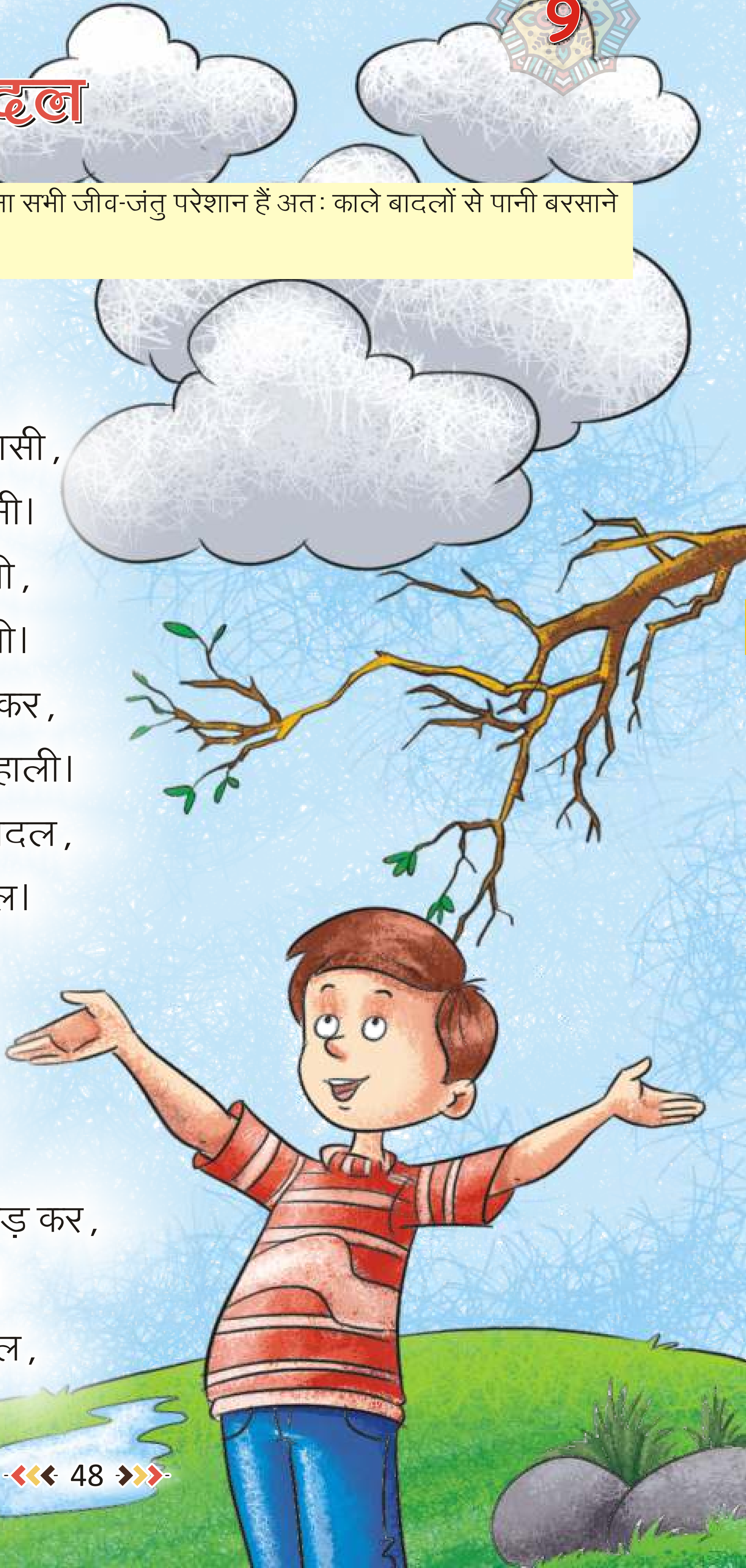

नभ में उड़ते काले बादल,
सावन के मतवाले बादल।
अंबर प्यासा, धरती प्यासी,
सभी ओर है छाई उदासी।
सूख रही है डाली-डाली,
तरस रहा बागों का माली।
धरती पर हरियाली लाकर,
इस जग को दे दो खुशहाली।
सुनो-सुनो, ओ काले बादल,
सावन के मतवाले बादल।
चुप से बैठे जीव-जंतु सब,
थके तुम्हारी राह देखकर।
हैं उदास बच्चे भी हरपल,
चारों ओर मची है हलचल।
उमड़-उमड़ कर, घुमड़-घुमड़ कर,
जल से कर दो धरती को तर।
जिद छोड़ो, अब बरसो बादल,

कठिन शब्द

नभ ■ अंबर ■ हरियाली ■ तुम्हारी
जीव-जंतु ■ बच्चे ■ घुमड़

शब्दार्थ

मतवाले	-	मस्त, चंचल	**अंबर**	-	आसमान
राह देखकर	-	प्रतीक्षा करके	**तर**	-	गीला

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   नभ, अंबर, हरियाली, जीव-जंतु, खुशहाली
2. कविता के अनुसार कौन-कौन प्यासा है?
3. वर्षा होने पर आप क्या करते हैं?
4. कविता को याद करिए और लयपूर्वक गाकर सुनाइए।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. आकाश में कैसे बादल उड़ रहे हैं?
2. जीव-जंतु किसकी राह देख रहे हैं?
3. बच्चे क्यों उदास हैं?
4. बादल धरती को किससे तर करते हैं?

ग. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. ____________ प्यासा, ____________ प्यासी,

सभी ओर है छाई __________।

2. हैं उदास __________ भी हरपल,
चारों ओर मची है __________।

3. __________ छोड़ो, अब बरसो __________,
__________ के __________ बादल।

घ. कविता के आधार पर मिलान कीजिए–

मतवाले	जीव-जंतु
प्यासा	बच्चे
उदास	बादल
चुप	अंबर

ङ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. सावन के बादल हैं–
   (i) काले ☐ (ii) नीले ☐ (iii) लाल ☐
2. सभी ओर छाई है–
   (i) धूल ☐ (ii) उदासी ☐ (iii) हरियाली ☐
3. हरपल उदास हैं–
   (i) चिड़ियाँ ☐ (ii) बंदर ☐ (iii) बच्चे ☐
4. बादल जिद छोड़कर क्या करेंगे ?
   (i) गरजेंगे ☐ (ii) बरसेंगे ☐ (iii) चले जाएँगे ☐

अब भाषा की बात

क. समझिए और वाक्य पूरे कीजिए–

1. पानी बरसता है। (बरस)

2. बादल __________ है। (गरज)

3. बिजली __________ है। (चमक)

4. बच्चे __________ हैं। (खेल)

5. गीतिका __________ है। (गाना)

ख. समानार्थी शब्दों को रेखा द्वारा मिलाइए–

1. पेड़	पृथ्वी
2. आसमान	जल
3. धरती	आकाश
4. पानी	वृक्ष

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

अलग लय वाले शब्द पर ✓ लगाइए–

1. (i) धरती ☐ (ii) असली ☐ (iii) करती ☐
2. (i) आई ☐ (ii) माली ☐ (iii) काली ☐
3. (i) बादल ☐ (ii) काजल ☐ (iii) सुनो ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, बरसात का मौसम सभी को बहुत अच्छा लगता है। परंतु इस मौसम में बीमारियाँ भी खूब फैलती हैं, इसलिए इस मौसम में खाने-पीने और सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

ख. आपके विचार से–

जब बारिश होती है, बादल जोर-जोर से गरजते हैं और बिजली चमकती है; तब आपको कैसा लगता है? आप डर जाते हैं या आपको अच्छा लगता है? बारिश में आप क्या-क्या करते हैं? अपने दोस्तों से इस बारे में बात कीजिए।

ग. बूझो तो जानें–

बारिश से संबंधित चीजों पर ✓ लगाइए–

घ. कलाकारी दिखाएँ–

नीचे बने चित्र में वर्षा की बूँदें बनाइए–

10

गुणवान बालक

प्रस्तुत पाठ में बताया है कि माता-पिता के प्रति निःस्वार्थ सेवा-भाव रखने वाला बालक ही सबसे अधिक गुणवान है।

हरिपुर गाँव एक जंगल के पास बसा था। गाँव के लोग जंगल से लकड़ियाँ चुनकर लाते और उन्हें बेचकर अपनी आजीविका चलाते थे। इसी गाँव की चार औरतों का आपस में बहुत मेल-जोल था। वे चारों साथ ही जंगल जाया करतीं और वहाँ लकड़ियाँ चुना करती थीं।

एक बार की बात है। वे चारों औरतें जंगल में लकड़ियाँ चुन रही थीं। वे आपस में बातें भी कर रही थीं। पहली औरत बोली, ``मेरा बेटा बहुत गुणवान है। वह पढ़ने में भी बहुत तेज है। वह हमेशा कक्षा में प्रथम आता है।''

दूसरी औरत बोली, ``मेरा बेटा भी बहुत गुणवान है। खेलकूद में वह हमेशा प्रथम आता है।''

तीसरी औरत बोली, ``गुणवान तो मेरा बेटा भी बहुत है। वह कठिन से कठिन काम भी जल्दी से कर लेता है।''

चौथी औरत चुपचाप लकड़ियाँ चुनती रही। उसने अपने बेटे के बारे में कुछ नहीं बताया। उसे चुप देखकर पहली औरत बोली, ``बहन, तुम भी अपने बेटे के गुण बताओ न!''

चौथी औरत बोली, ``मेरा बेटा तो सीधा-सादा है। उसमें तुम्हारे बेटों जैसा कोई विशेष गुण नहीं है।''

इसके बाद चारों ने लकड़ियाँ इकट्ठीकर गट्ठर बनाए और गाँव की ओर लौट चलीं। रास्ते में उन चारों के बेटे मिले। पहली औरत का बेटा अपनी माँ के समीप आया और बोला, `` माँ, बहुत भूख लगी है। जल्दी घर जाकर कुछ खाने को बनाओ। मैं अभी आता हूँ।'' इतना कहकर वह खेलने चला गया।

दूसरी औरत का बेटा बोला, ``माँ, मुझे कुछ पैसे दे दो। मुझे पकौड़े खाने हैं।''

तीसरी औरत के बेटे ने भी अपनी माँ से खिलौनों के लिए पैसों की माँग की।

अब बारी थी चौथी औरत के बेटे की। उसने माँ के सिर पर लकड़ियों का भारी गट्ठर देखा तो माँ से गट्ठर लेकर अपने सिर पर रखा और चलने लगा।

एक साधु यह सब देख-सुन रहा था। उसने उन औरतों को अपने पास बुलाया और समझाते हुए कहा, ``जो बालक अपने माता-पिता की सेवा करता है, वही सबसे अधिक गुणवान होता है, इसलिए सब बालकों में से यही बालक सबसे अधिक गुणवान है। ''

कठिन शब्द

आजीविका ■ गुणवान ■ इकट्ठी ■ गट्ठर ■ सीधा-सादा

शब्दार्थ

चुनकर	-	बीनकर	**आजीविका**	-	रोजी-रोटी
गुणवान	-	गुणोंवाला	**विशेष**	-	खास

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   गाँव, आजीविका, प्रथम, गुणवान, इकट्ठी, गट्ठर
2. हरिपुर गाँव के लोग अपनी आजीविका कैसे चलाते थे ?
3. दूसरी औरत के बेटे में क्या गुण था ?
4. पहली औरत के बेटे ने उससे क्या कहा ?
5. चौथी औरत के बेटे में क्या गुण था ?
6. आप अपने माता-पिता की सेवा किस प्रकार करते हो ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. चारों औरतें जंगल में क्या करने जाती थीं ?
2. पहली औरत के बेटे में क्या गुण था ?
3. तीसरी औरत के बेटे में क्या विशेषता थी ?
4. चौथी औरत के बेटे ने क्या किया ?
5. साधु ने किस औरत के बेटे को सबसे अधिक गुणवान बताया ?

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

बेटे, पढ़ने, लकड़ियों, जंगल

1. हरिपुर गाँव एक ____________ के पास बसा था।
2. वह ____________ में भी बहुत तेज है।
3. रास्ते में उन चारों के ____________ मिले।
4. उसने माँ के सिर पर ____________ का भारी गट्ठर देखा।

घ. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

1. हरिपुर गाँव पर्वत के पास बसा था। ☐
2. पहली औरत का बेटा कक्षा में प्रथम आता था। ☐
3. दूसरी औरत के बेटे में कोई गुण नहीं था। ☐
4. चौथी औरत का बेटा ही सबसे अधिक गुणवान था। ☐

अब भाषा की बात

क. अनुनासिक की मात्रा (ँ) वाले चार शब्द लिखिए–

__________ __________

__________ __________

ख. 'ट' व 'ठ' का सही प्रयोग करके शब्द बनाइए–

बे__ा	कि__न	गट्__र	चट्__ान
म__र	बै__क	__क्कर	को__

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के बहुवचन शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. बेटा–
   (i) बिटिया ☐ (ii) बेटाओं ☐ (iii) बेटे ☐
2. औरत–
   (i) औरतें ☐ (ii) औरात ☐ (iii) औरताएँ ☐
3. लकड़ी–
   (i) लकड़ीएँ ☐ (ii) लकड़ियाँ ☐ (iii) लकड़ीयाँ ☐
4. बात–
   (i) बतियाँ ☐ (ii) बातओं ☐ (iii) बातें ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ ,बात करें–

बच्चो , पढ़ने और खेलने-कूदने में तेज होना अच्छी बात है परंतु इसके साथ-साथ आपको अपने माता-पिता और शिक्षकों का सम्मान व सेवा भी करनी चाहिए। ऐसा करने पर ही आप अच्छे बच्चे कहलाएँगे।

ख. आपके विचार से–

बताइए कि–

1. अच्छे बच्चे बड़ों का आदर कैसे करते हैं ?
2. अच्छे बच्चे अपने मित्रों व छोटे भाई-बहनों के साथ कैसा व्यवहार करते हैं ?
3. अच्छे बच्चों में कौन-कौन सी अन्य अच्छी आदतें होती हैं ?

ग. बूझो तो जानें–

नीचे दिए गए चित्रों में बच्चे कुछ काम करते हुए दिखाए गए हैं। अच्छे काम वाले चित्रों के नीचे ✓ बनाइए और गलत काम वाले चित्रों के नीचे ✗ बनाइए।

[✗]

[ ]

[ ]

[ ]

[ ]

[ ]

केवल पढ़ने के लिए

प्रेरक प्रसंग

महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के काटलुक गाँव में एक प्राइमरी विद्यालय था। उसमें कक्षा चल रही थी।

अध्यापक ने बच्चों से एक प्रश्न किया– ``यदि तुम्हें रास्ते में एक हीरा पड़ा मिल जाए तो तुम उसका क्या करोगे?''

``मैं उसे बेचकर कार खरीदूँगा''–एक बालक ने कहा।

दूसरे ने कहा, ``मैं उसे बेचकर धनवान बन जाऊँगा।''

तीसरे ने कहा कि वह उसे बेचकर विदेश यात्रा करेगा।

चौथे बालक का उत्तर था, ``मैं उस हीरे के मालिक का पता लगाकर उसे हीरा लौटा दूँगा।''

अध्यापक चकित थे, फिर उन्होंने कहा कि, ``मानो खूब पता लगाने पर भी उसका मालिक न मिला तो?''

बालक बोला, ``तब मैं हीरे को बेचूँगा और इससे मिले पैसे को देश की सेवा में लगा दूँगा।''

बालक का उत्तर सुनकर शिक्षक गद्गद् हो गए और बोले, ``शाबाश! तुम बड़े होकर सचमुच महान देशभक्त बनोगे।''

शिक्षक का कहा सत्य हुआ और वह बालक बड़ा होकर सचमुच महान देशभक्त बना। उस बालक का नाम था, `गोपाल कृष्ण गोखले'। गोपाल कृष्ण गोखले ने भारत के स्वाधीनता संग्राम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। महात्मा गांधी की तरह ये भी शांतिपूर्वक अपनी बात कहने में विश्वास रखते थे।

गोपाल कृष्ण गोखले

11

चाचा नेहरू

प्रस्तुत पाठ में 'पत्र' के माध्यम से पंडित जवाहर लाल नेहरू का संक्षिप्त जीवन-परिचय दिया गया है।

गाजियाबाद

25 अक्टूबर, 20xx

प्रिय गीतिका,

सदैव खुश रहो।

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ और आशा करता हूँ कि तुम सब भी सानंद होगे।

गीतिका, तुमने चाचा नेहरू का नाम तो अवश्य सुना होगा। अगले महीने की 14 तारीख को उनका जन्मदिन है। आज मैं तुमको उनके बारे में कुछ बातें बताऊँगा।

चाचा नेहरू का पूरा नाम पंडित जवाहर लाल नेहरू था।

उनका जन्म 14 नवंबर, सन 1889 को इलाहाबाद में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री मोतीलाल नेहरू तथा माता का नाम श्रीमती स्वरूपरानी था। नेहरू जी की आरंभिक शिक्षा घर पर हुई थी। सन 1907 में उच्च शिक्षा पाने के लिए वे विदेश गए और वहाँ से वकील बनकर भारत लौटे। नेहरू जी को गुलाब का फूल बहुत प्रिय था।

नेहरू जी का विवाह कमला देवी के साथ हुआ था। 19 नवंबर, सन 1917 को इनके घर में एक पुत्री का जन्म हुआ जिसका नाम 'इंदिरा प्रियदर्शिनी' रखा गया। बड़ी होकर वह भारतवर्ष की प्रथम महिला प्रधानमंत्री बनी।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान नेहरू जी को अनेक बार जेल भी जाना पड़ा। भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद वे देश के प्रथम प्रधानमंत्री बने। आजीवन देश के कल्याण के लिए कार्य करते हुए 27 मई ,सन 1964 को इनका देहावसान हो गया।

पंडित जवाहर लाल नेहरू सच्चे देशभक्त थे। वे अच्छे वक्ता तथा लेखक भी थे। पंडित नेहरू को बच्चों से बहुत प्यार था। बच्चे उन्हें प्यार से चाचा नेहरू कहते थे, इसीलिए उनका जन्मदिन प्रतिवर्ष 14 नवंबर को 'बालदिवस' के रूप में धूमधाम से मनाया जाता है। तुम भी अपने विद्यालय में इस अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों में अवश्य भाग लेना।

शेष मिलने पर । घर में सभी को मेरी ओर से नमस्ते कहना। तुम्हें ढेरों आशीर्वाद के साथ–

तुम्हारा भाई

वैभव

कठिन शब्द

अवश्य ■ स्वतंत्र ■ प्रधानमंत्री ■ कल्याण ■ देहावसान

देशभक्त ■ वक्ता ■ प्रतिवर्ष ■ कार्यक्रमों ■ आशीर्वाद

शब्दार्थ

सकुशल	–	बिल्कुल ठीक	**सानंद**	–	आनंद सहित
आरंभिक	–	शुरूआत की	**देशभक्त**	–	देशप्रेमी
आजीवन	–	जीवन-भर	**वक्ता**	–	बोलनेवाला
कल्याण	–	हित, भलाई	**लेखक**	–	लिखनेवाला
देहावसान	–	मृत्यु	**धूमधाम से**	–	जोश व उल्लास से

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   प्रधानमंत्री, नवंबर, स्वरूपरानी, प्रियदर्शिनी, आंदोलन, देशभक्त, वक्ता
2. हमारे प्रथम प्रधानमंत्री कौन थे ?
3. पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुत्री का क्या नाम था ?
4. बच्चे नेहरू जी को क्या कहकर बुलाते थे ?
5. पंडित जवाहर लाल नेहरू का देहावसान कब हुआ ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. गीतिका को पत्र किसने लिखा ?
2. चाचा नेहरू का पूरा नाम क्या था ?
3. पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?
4. चाचा नेहरू के पिता व माता का नाम बताइए।
5. चाचा नेहरू का जन्मदिन किस रूप में मनाया जाता है ?

ग. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

1. चाचा नेहरू का जन्मदिन 14 अगस्त को मनाते हैं। ☐
2. चाचा नेहरू को गुलाब का फूल बहुत प्रिय था। ☐
3. पंडित नेहरू की आरंभिक शिक्षा घर पर ही हुई थी। ☐
4. पंडित नेहरू की पुत्री का नाम विमला देवी था। ☐
5. पंडित नेहरू अच्छे वक्ता और लेखक भी थे। ☐

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. पंडित नेहरू को बच्चे ________ कहते थे।
   (i) बापू नेहरू ☐ (ii) भाई नेहरू ☐ (iii) चाचा नेहरू ☐
2. पंडित नेहरू का जन्म ________ में हुआ था।
   (i) बनारस ☐ (ii) लखनऊ ☐ (iii) इलाहाबाद ☐
3. आजादी के बाद पंडित नेहरू भारत के प्रथम ________ बने।
   (i) राष्ट्रपति ☐ (ii) प्रधानमंत्री ☐ (iii) शिक्षक ☐
4. पंडित नेहरू का देहावसान ________ को हुआ था।
   (i) 27 मई, 1964 ☐ (ii) 17 मई, 1965 ☐ (iii) 19 मई, 1965 ☐

अब भाषा की बात

क. आप जानते हैं कि नाम वाले शब्दों को संज्ञा कहते हैं। चार व्यक्तियों और चार स्थानों के नाम लिखिए–

व्यक्तियों के नाम – राम ________ ________ ________ ________

स्थानों के नाम – भारत ________ ________ ________ ________

ख. 'र' में 'उ' की मात्रा (रु) अथवा 'ऊ' की मात्रा (रू) का उचित प्रयोग करके शब्द बनाइए–

नेहर ________ अमरद ________ रपया ________

रकावट ________ रमाल ________ स्वरप ________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही वर्तनी वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. (i) शिक्छा ☐ (ii) शिक्षा ☐ (iii) सिक्षा ☐
2. (i) नामस्ते ☐ (ii) नमश्ते ☐ (iii) नमस्ते ☐
3. (i) वकील ☐ (ii) बकील ☐ (iii) वकिल ☐
4. (i) सकूसल ☐ (ii) शकुसल ☐ (iii) सकुशल ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

नेहरू जी को अपना जन्मदिन बच्चों के साथ मनाना अच्छा लगता था। आप बताइए कि आपको अपना जन्मदिन किसके साथ व कैसे मनाना पसंद है?

ख. कुछ और जानें–

बच्चो, आप जान गए हैं कि प्रतिवर्ष 14 नवंबर को 'बाल दिवस' मनाया जाता है। हमारे देश में कुछ और दिवस भी प्रतिवर्ष हर्ष और उल्लास के साथ मनाए जाते हैं। इन्हें भी जानिए–

1. **स्वतंत्रता दिवस** प्रतिवर्ष **15 अगस्त** को मनाया जाता है।
2. **गणतंत्र दिवस** प्रतिवर्ष **26 जनवरी** को मनाया जाता है।
3. **शिक्षक दिवस** प्रतिवर्ष **5 सितंबर** को मनाया जाता है।

ग. कुछ और करके देखें–

दिए गए चित्रों में दर्शाए गए व्यक्तियों को पहचानिए और उनके नाम लिखिए–

____

____

12

डाकघर

प्रस्तुत पाठ में दैनिक जीवन में काम आने वाली संस्था—`डाकघर' के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान की गई है।

बच्चो, आपने अपने घरों के आस-पास खाकी रंग की वर्दी पहने हुए व्यक्ति को पत्र आदि बाँटते हुए देखा होगा। इस व्यक्ति को `डाकिया' कहते हैं। हमारे रिश्तेदारों, मित्रों आदि के पत्र हम तक डाकिया ही पहुँचाता है। पत्रों के अलावा वह मनीऑर्डर, पार्सल आदि भी लाता है। डाकिया ये सब चीजें डाकघर से प्राप्त करता है।

डाकघर एक सरकारी कार्यालय होता है। डाकघर को `डाकखाना' भी कहते हैं। यहाँ पर मुख्य रूप से डाक के भेजने व प्राप्त करने का प्रबंध होता है। डाकघर में अलग-अलग खिड़कियों अथवा काउंटरों पर बैठे कर्मचारी विभिन्न कार्य करते हैं। डाकघर से हम पोस्टकार्ड, लिफाफे और डाक-टिकटें खरीद सकते हैं। डाकघर में महत्वपूर्ण पत्रों आदि को रजिस्ट्री-पत्र के रूप में भेजने की भी व्यवस्था होती है। रजिस्ट्री करनेवाला कर्मचारी पत्र या पार्सल आदि को रजिस्टर करके हमें उसकी रसीद दे देता है।

कुछ डाकघरों में इंटरनेट की सहायता से ई-मेल द्वारा भी समाचार भेजने की सुविधा होती है।

बैंक की तरह ही डाकघर में भी खाता खुलवाकर अपना धन जमा कराने की व्यवस्था होती है। इस धन को आवश्यकतानुसार निकालकर कभी भी प्राप्त किया जा सकता है। खाते में रुपये जमा कराने व निकालने का विवरण एक किताब (पासबुक) में लिखकर उस पर डाकघर की मोहर लगा दी जाती है।

बच्चो, तुम भी अपने पिता जी अथवा माँ के साथ डाकघर जाकर वहाँ के काम करने का तरीका जान सकते हो।

कठिन शब्द

वर्दी ■ रिश्तेदारों ■ कार्यालय ■ काउंटरों ■ पोस्टकार्ड ■ कर्मचारी
पार्सल ■ महत्वपूर्ण ■ रजिस्ट्री ■ मनीऑर्डर ■ व्यवस्था

शब्दार्थ

वर्दी - पोशाक
पार्सल - सामान का छोटा पैकेट या डिब्बा
विभिन्न - अलग-अलग
समाचार - खबर
कार्यालय - दफ्तर
प्रबंध - इंतजाम
सगे-संबंधी - रिश्तेदार
विवरण - ब्यौरा

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   रिश्तेदारों, मनीऑर्डर, पार्सल, पोस्टकार्ड, रजिस्ट्री, व्यवस्था
2. हमारे रिश्तेदारों व मित्रों के पत्र हम तक कौन पहुँचाता है?
3. डाकघर क्या है?
4. डाकघर से समाचार किस-किस तरह से भेज सकते हैं?
5. डाकघर में पैसे जमा कराने का क्या तरीका है?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. डाकिया हमारे लिए क्या-क्या लाता है?
2. डाकिया हमारे पत्र, पार्सल आदि कहाँ से प्राप्त करता है?
3. डाकघर में मुख्य रूप से क्या काम होता है?
4. डाकघर से हम क्या-क्या खरीद सकते हैं?
5. रजिस्ट्री करने वाला कर्मचारी क्या करता है?

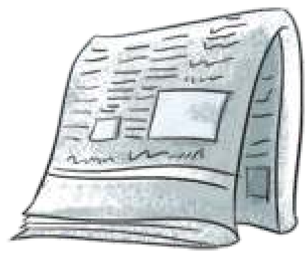

ग. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

1. डाकिया हमारे लिए सब्जियाँ लाता है। ☐
2. 'मनीऑर्डर' द्वारा हम रुपये भेज सकते हैं। ☐
3. डाकघर से हम डाक-टिकट खरीद सकते हैं। ☐
4. डाकघर में घर का सामान भी रख सकते हैं। ☐

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. हमारे पत्र आदि कौन लेकर आता है?
   (i) डॉक्टर ☐ (ii) डाकिया ☐ (iii) मोची ☐

2. कुछ डाकखानों में किसके द्वारा समाचार भेजे जा सकते हैं?

(i) पासबुक द्वारा ☐ (ii) पार्सल द्वारा ☐ (iii) ई-मेल द्वारा ☐

अब भाषा की बात

क. समझिए और लिखिए–

खाता	-	खाते	टिकट	-	टिकटें
पैसा	-	______	मोहर	-	______
डाकखाना	-	______	मेज	-	______
रुपया	-	______	किताब	-	______

ख. निम्नलिखित शब्दों को वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. **डाकघर** – ______________________
2. **पत्र** – ______________________
3. **किताब** – ______________________
4. **वर्दी** – ______________________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. 'खबर' का समानार्थी शब्द है–

(i) अखबार ☐ (ii) खराब ☐ (iii) समाचार ☐

2. 'सुविधा' का विलोम शब्द है–

(i) असुविधा ☐ (ii) सुविधाएँ ☐ (iii) संबंधित ☐

3. 'रुपया' का बहुवचन है–

(i) धन ☐ (ii) रुपये ☐ (iii) रुपायों ☐

4. 'खिड़की' का बहुवचन है–

(i) खिड़कीयाँ ☐ (ii) खिड़कियाएँ ☐ (iii) खिड़कियाँ ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, डाकिया बहुत परिश्रम से अपना कार्य करता है। वह सर्दी, गर्मी व बरसात प्रत्येक मौसम को सहन करता हुआ, समय से हमारे पत्र आदि को हम तक पहुँचाता है। हमें सदैव उसका सम्मान करना चाहिए।

ख. कुछ और जानें–

1. भारत में जारी प्रथम डाक टिकट 'सिंध डाक' के नाम से प्रसिद्ध है।
2. भारत ने ही सबसे पहले विमान द्वारा डाक भेजी थी।

ग. कुछ और करके देखें–

खाली सफेद कागज का एक लिफाफा बनाइए। लिफाफे पर अपने मित्र का पता लिखिए और इस पर डाकघर से टिकट खरीदकर लगाइए।

अपने मित्र को अपने विद्यालय व मित्रों के बारे में बताते हुए एक पत्र लिखकर इस लिफाफे में रखकर भेजिए।

घ. बूझो तो जानें—

समझिए और शब्द बनाकर दिखाइए–

डाक	+	घर		डाकघर
समाचार	+	पत्र	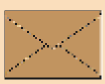	________
चिड़िया	+	घर		________
उप	+	कार		________

13

यात्री और जादुई वृक्ष

प्रस्तुत पाठ में बताया गया है कि असंतोषी स्वभाव के एक यात्री को अंत में किस मुसीबत का सामना करना पड़ा।

और आश्चर्य!
बिस्तर! यह कहाँ से प्रकट हो गया? आँखों पर विश्वास नहीं हो रहा।
मजा आ गया! ये तो मखमल जैसी मुलायम चादरें हैं।
शीघ्र ही-
अब तो मेरे पेट में चूहे कूद रहे हैं। काश! अच्छा भोजन भी मिल जाता!
वाह! यह तो राजसी भोजन है!

कठिन शब्द

छायादार ■ यात्री ■ आश्चर्य ■ नर्म ■ हमला

बिस्तर ■ संतुष्ट

शब्दार्थ

नर्म - मुलायम		**राजसी** - राजाओं जैसा	
शीघ्र - जल्दी		**गुम हो जाए** - खो जाए/समाप्त हो जाए	
शीतल - ठंडा			

पाठ में आए मुहावरे

पाला पड़ना - सामना होना

पेट में चूहे कूदना - बहुत जोर से भूख लगना

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   छायादार, शीतल, बिस्तर, प्रकट, विश्वास
2. यात्री आराम क्यों करना चाहता था?
3. यात्री आराम करने के लिए कहाँ रुका?
4. यात्री ने पेड़ के नीचे लेटकर क्या-क्या इच्छाएँ कीं?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. यात्री जिस पेड़ के नीचे आराम करने के लिए रुका, वह कैसा पेड़ था?
2. यात्री ने सबसे पहले क्या इच्छा व्यक्त की?
3. यात्री को किस प्रकार का भोजन प्राप्त हुआ?
4. अंत में यात्री पर किसने हमला कर दिया?

ग. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

पेड़, सुख, छायादार, बिस्तर

1. एक यात्री उस ________ पेड़ के नीचे रुका।
2. यहाँ एक नर्म ________ होता सोने के लिए।
3. यहाँ तो सारे ________ मिल गए।
4. यात्री घबराकर ________ पर चढ़ गया।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. यात्री पेड़ के नीचे क्यों रुका था?
   (i) आराम करने के लिए ☐ (ii) गाना गाने के लिए ☐
   (iii) बात-चीत करने के लिए ☐
2. यात्री की सबसे पहले क्या पाने की इच्छा हुई?
   (i) अच्छा घर ☐ (ii) नर्म बिस्तर ☐ (iii) दो नौकर ☐
3. यात्री की इच्छाएँ किसने पूरी की थीं?
   (i) जादुई वृक्ष ने ☐ (ii) उसके मित्र ने ☐ (iii) परी ने ☐

2. अंत में यात्री का पाला किससे पड़ा?
   (i) बंदर से ☐ (ii) लोमड़ी से ☐ (iii) शेर से ☐

अब भाषा की बात

क. नीचे दिए गए शब्द शुद्ध करके लिखिए–

बीस्तर ________
सीतल ________
मूलायम ________
सनतुष्ट ________

ख. दिए गए सर्वनाम शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए–

तुम, मैं, हम, वह

1. ____________ बाहर खेल रहा हूँ।
2. ____________ रोज नहाते हो।
3. ____________ कल दिल्ली जाएगा।
4. ____________ सब खेलते हैं।

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. पेड़ – (i) वृक्ष ☐ (ii) फूल ☐ (iii) जंगल ☐
2. शेर – (i) चीता ☐ (ii) सिंह ☐ (iii) राजा ☐
3. आँख – (i) मुँह ☐ (ii) आया ☐ (iii) नेत्र ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो! हमें अपनी इच्छाओं को बहुत अधिक नहीं बढ़ाना चाहिए। हमें अपनी जरूरत पूरी होने के पश्चात संतोष करना आना चाहिए।

ख. आपके विचार से–

यदि आपको कोई ऐसी वस्तु मिल जाए जिससे आप अपनी मनचाही चीजें प्राप्त कर सकते हों तो आप उससे अपने लिए क्या-क्या माँगेंगे ?

ग. कुछ और करके दिखाइए–

टीवी पर कुछ ऐसे धारावाहिक भी आते हैं जिनके कुछ पात्रों को जादुई शक्तियाँ प्राप्त हैं। ऐसे धारावाहिकों के नाम बताइए। उनमें जिन पात्रों को जादुई शक्तियाँ प्राप्त हैं, उनके बारे में भी बताइए।

14

छली गधा

प्रस्तुत कविता में गधे के माध्यम से बताया गया है कि छल-कपट का सहारा लेने वाले का अंत सदैव बुरा होता है।

गधा एक था चरता वन में
बड़ा कपट था उसके मन में ,
कहीं सिंह का चमड़ा पाया
उससे उसने रूप बनाया।

सबको डर दिखलाता था वह
अच्छे मजे उड़ाता था वह।
चर जाता था सबके खेत
सब डरते थे उसको देख।

कहता था– ``मैं वन का राजा!''
खूब हुआ था मोटा-ताजा।
वन-पशुओं को आँख दिखाता
सब पर था वह रोब जमाता।

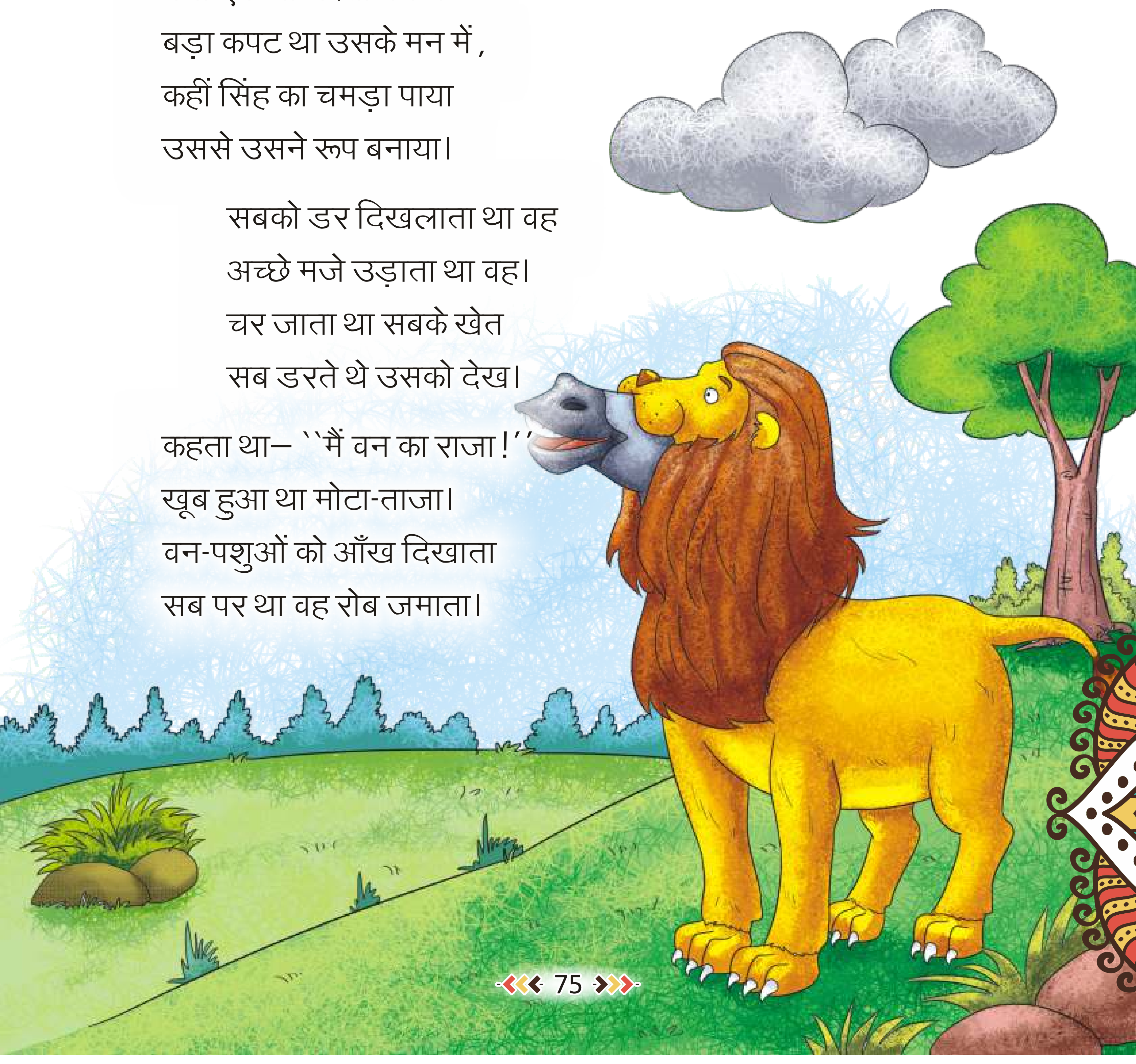

रात एक उजियारी आई
खूब गधे के मन को भायी ,
चरने लगा खेत में जाकर
रखवाले सब भागे डरकर।

कोई गधा कहीं चिल्लाया
बस , इसने भी कान उठाया।
लगा रेंकने मुख ऊपर कर
भेद खुल गया उसका सब पर।

रखवालों ने लट्ठ उठाया
मार-मारकर खूब छकाया।
जो देता औरों को धोखा
वह पाता ऐसा फल चोखा।

कठिन शब्द

कपट ■ चमड़ा ■ पशुओं ■ रोब ■ उजियारी
लट्ठ ■ छकाया ■ चोखा ■ रेंकने

शब्दार्थ

कपट	-	छल/धोखा	**रोब जमाना**	-	धमकाना
वन	-	जंगल	**उजियारी रात**	-	रोशनी वाली चाँदनी रात
सिंह	-	शेर	**मुख**	-	मुँह
चमड़ा	-	खाल	**लट्ठ**	-	लाठी
रूप	-	भेष	**औरों को**	-	दूसरों को
चोखा	-	बढ़िया	**आँख दिखाना**	-	डराना

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   सिंह, मोटा-ताजा, उजियारी, रेंकने, लट्ठ
2. सब लोग गधे से क्यों डर जाते थे ?
3. गधे का भेद कैसे खुला ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. एक दिन गधे ने क्या पाया ?
2. गधा अपने आपको क्या कहने लगा था ?
3. गधे का भेद खुलने पर रखवालों ने क्या किया ?

ग. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. ________ एक चरता था ________ में
   बड़ा ________ था उसके ________ में,
2. कहता था- ``मैं ________ !''
   खूब हुआ था ________ ।
3. रात एक ________ आई
   खूब ________ के ________ को भायी,

घ. कविता के अनुसार वाक्यों के सामने क्रमांक लिखिए–

1. गधे को उजियाली रात अच्छी लगी। ☐
2. गधा अपने आपको `वन का राजा' कहता था। ☐
3. एक गधे को सिंह का चमड़ा मिला। ☐
4. रखवालों ने गधे को लट्ठ से मारा। ☐
5. गधा सबको डराता था। ☐

ङ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. सिंह का चमड़ा किसने पहना था?
   (i) कुत्ते ने ☐ (ii) गधे ने ☐ (iii) लोमड़ी ने ☐
2. सिंह का चमड़ा पहनने के बाद गधा खुद को कहता था-
   (i) सिंह का भाई ☐ (ii) वन का राजा ☐ (iii) बेवकूफ गधा ☐
3. वन के पशुओं पर रोब जमाता था-
   (i) गधा ☐ (ii) सिंह ☐ (iii) हाथी ☐

अब भाषा की बात

क. समान संयुक्ताक्षर का प्रयोग करके शब्द बनाइए–

1. ट्ठ - लट्ठ ________ ________ ________
2. च्छ - अच्छा ________ ________ ________

3. स्त - पुस्तक ______ ______ ______

ख. 'क' अथवा 'ख' भरकर सही शब्द बनाइए। सभी शब्द कविता में ही हैं।

___ पट	आँ___	र___वाला
धो___ा	मु___	छ___ाया

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्द के पर्यायवाची शब्द पर ✓ लगाइए–

1. सिंह - (i) बंदर ☐ (ii) हाथी ☐ (iii) शेर ☐
2. वन - (i) बनाना ☐ (ii) जंगल ☐ (iii) जानवर ☐
3. पेड़ - (i) वृक्ष ☐ (ii) पैर ☐ (iii) बेल ☐
4. पशु - (i) रखवाला ☐ (ii) जानवर ☐ (iii) चिड़िया ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, किसी से भी छलपूर्वक व्यवहार करना गलत आदत है। ऐसा कभी नहीं करना चाहिए। धोखा करने वाले व्यक्ति को उसकी सजा अवश्य मिलती है।

ख. कुछ और जानें–

नीचे कुछ जानवरों के नाम व उनकी बोलियाँ दी गई हैं। इन्हें पढ़िए, समझिए और याद कीजिए–

शेर – गुर्राना

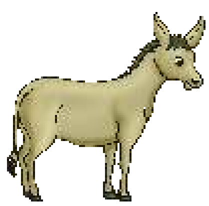
गधा – रेंकना

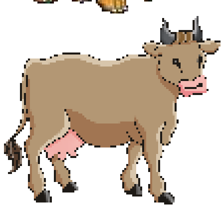
गाय – रंभाना

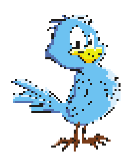
चिड़िया – चहचहाना

बकरी - मिमियाना 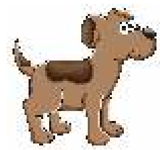 कुत्ता - भौंकना

घोड़ा - हिनहिनाना मुर्गा - बाँग देना

ग. बूझो तो जानें–

बोलो वह कौन-सी मिठाई,
जिसमें फल-फूल दोनों आए।
खोजे जब-जब खाने वाला,
उनमें से वो एक न पाए।।

मंद-मंद जग को महकाते,
मस्त हवा में झूल।
हँसते और हँसाते सबको,
इन्हें न जाना भूल।।

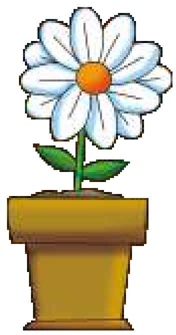

घ. कुछ और करके देखें–

नीचे लिखी कविता को याद कीजिए और मित्रों को सुनाइए–

गधा जानवर बड़े काम का,
जीवन जीता पर गुलाम का।
धोबी के डंडे से डरता,
सबसे ज्यादा मेहनत करता।
फिर भी कहते लोग, ``गधा है!''
सीधेपन की यही सजा है।

केवल पढ़ने के लिए

घोड़ा क्यों हिनहिनाया?

एक बार अकबर और बीरबल शिकार करने निकले। शिकार की तलाश में घूमते-घूमते वे जंगल में बहुत दूर निकल गए।

उस दिन उन्हें कोई शिकार नहीं मिला। शिकार की तलाश में इधर-उधर भटककर दोनों बहुत थक गए थे, इसलिए वे एक झरने के पास रुक गए। उन्होंने झरने में हाथ, पैर और मुँह धोए। अपने-अपने घोड़ों को पानी पिलाया और आराम करने के लिए एक पेड़ के नीचे लेट गए।

शाम हो गई थी। धीरे-धीरे अँधेरा भी होने लगा, इसलिए दोनों घर लौटने को तैयार हुए। अकबर ने बीरबल से कहा, ``बीरबल! मुझे भूख लगी है। तुम्हारे पास खाने के लिए कुछ हो तो दो।''

बीरबल अपने घोड़े की जीन में से चने की पोटली ले आया। उसने चने की पोटली अकबर को दे दी। अकबर को बहुत भूख लगी थी, इसलिए उन्होंने सब चने खा लिए। उसके बाद दोनों अपने-अपने घोड़ों पर चढ़ने लगे।

बीरबल ने जैसे ही अपने घोड़े की रकाब में पैर रखा, घोड़ा हिनहिनाने लगा। बीरबल के घोड़े को बिना किसी कारण हिनहिनाता देखकर अकबर को आश्चर्य हुआ। उसने बीरबल से पूछा, ``इस समय तुम्हारा घोड़ा क्यों हिनहिना रहा है?''

बीरबल को अकबर से मजाक करने की सूझी। उसने कहा, ``हुजूर! मेरे घोड़े की खुराक आप खा गए। मेरा घोड़ा मुझसे पूछ रहा है कि अब तुम किस पर सवारी करोगे? मुझ पर या बादशाह पर?''

बादशाह को चना खाना भारी पड़ गया। बीरबल के मजाकिया स्वभाव को बादशाह जानता था, इसलिए वह बीरबल को हल्के से थपथपाकर हँस पड़ा। फिर दोनों घोड़े दौड़ाते हुए आगे बढ़ गए।

15

दो मेंढक

प्रस्तुत पाठ में दो मेंढकों की कहानी है जिनमें एक शीघ्र परिस्थिति से हार मान लेता है और दूसरा लगातार प्रयास करके परिस्थिति पर विजय पा लेता है।

कुछ समय पहले की बात है। जंगल में तालाब के किनारे दो मेंढक रहते थे। एक दिन उन दोनों ने सोचा कि क्यों न शहर जाकर घूमकर आएँ। बस, फिर क्या था! वे दोनों निकल पड़े; फुदकते-फुदकते वे जंगल की सीमा को पार करके शहर जा पहुँचे। वहाँ उन्होंने बहुत कुछ देखा—बड़ी-बड़ी ऊँची इमारतें, तेजी से चलते वाहन, खेल-कूद और पढ़ाई में मस्त नन्हे-नन्हे बच्चे आदि। उन्हें ये सब बहुत अच्छा लगा। शाम तक घूमते-घूमते वे बहुत थक गए थे। उनका मन कर रहा था कि उन्हें पानी मिल जाए और वे एक गीली जगह पर थोड़ा आराम कर लें। खोजते-खोजते वे एक मिठाई की दुकान में पहुँचे। वहाँ एक भगौना रखा था। उन्हें लगा कि इस भगौने में पानी होना चाहिए। फिर क्या था! झट-से दोनों ने एक ऊँची छलाँग लगाई और पहुँच गए उस भगौने के अंदर; पर यह क्या? भगौने में पानी नहीं था, वह तो मलाई से भरा हुआ था। बेचारे दोनों मेंढक उस मलाई में डूबने लगे। उनका दम घुटने लगा और साँस फूलने लगी। एक ने सोचा– 'लगता है मेरा अंतिम समय आ गया। हाय रे! मेरी किस्मत, शहर आकर इन अनजान लोगों के बीच ही मरना था।' भगौने से बाहर आने के लिए उसने कोई कोशिश नहीं की। उसने अपने ईश्वर को याद किया और मौत का इंतजार करने लगा।

परंतु दूसरा मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था। वह कोशिश करने लगा कि किसी तरह उस मलाई से भरे भगौने में से बाहर निकल आए। वह अपने पैर जोर-जोर से चलाने लगा। बहुत कोशिश करने पर भी वह बार-बार फिसल जाता फिर भी उसने हार नहीं मानी। वह लगातार कोशिश करता रहा और अपने पैर चलाता रहा।

अरे यह क्या! अचानक उसे लगा कि वह ऊपर उठने लगा है। उसके लगातार जोर-जोर से पैर चलाने से मलाई भी लगातार हिल रही थी और वह मक्खन बनने लगी थी। मेंढक में उम्मीद की लहर दौड़ गई। वह बहुत थक चुका था फिर भी वह पैर चलाता ही रहा। फिर क्या था! मलाई से मक्खन बनता गया और आखिर में उस मक्खन के ढेर पर सवार वह साहसी मेंढक ऊपर उठने लगा। जब मक्खन छाछ के ऊपर तैरने लगा तब उस साहसी मेंढक ने भगौने से बाहर छलाँग लगा दी। अपनी लगन, मेहनत और जीने की उमंग के कारण वह बच गया परंतु उसका निराशावादी मित्र उसी मलाई के भगौने में डूबकर मर गया।

कठिन शब्द

मेंढक ■ भगौना ■ छलाँग ■ इमारतें ■ छाछ

किस्मत ■ ईश्वर ■ इंतजार ■ उम्मीद

शब्दार्थ

वाहन	-	गाड़ियाँ	**झट-से**	-	जल्दी-से
किस्मत	-	भाग्य	**अचानक**	-	एकदम
उम्मीद	-	आशा	**छाछ**	-	मट्ठा
उमंग	-	जोश, उत्साह	**निराशावादी**	-	निराशा में डूबा हुआ
कोशिश	-	प्रयत्न			

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   भगौना, छलाँग, ईश्वर, इंतजार, मक्खन, निराशावादी
2. मेंढकों ने शहर में क्या-क्या देखा ?
3. मलाई के भगौने में गिरने से मेंढकों का क्या हाल हुआ ?
4. भगौने में गिरने पर पहले मेंढक ने क्या किया ?
5. भगौने में गिरने पर दूसरे मेंढक ने क्या किया ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. मेंढक कहाँ रहते थे ?
2. मेंढक घूमने के लिए कहाँ गए ?
3. पानी की खोज में मेंढक कहाँ पहुँचे ?
4. भगौने में क्या था ?
5. दूसरे मेंढक का जीवन कैसे बचा ?
6. पहले मेंढक का क्या अंत हुआ ?

ग. कहानी को ध्यानपूर्वक पढ़िए और नीचे लिखे कथनों को सही करके लिखिए–

1. तालाब के किनारे दो कछुए रहते थे।
   ____
2. मेंढक शहर में पढ़ने गए।
   ____
3. भगौना पानी से भरा हुआ था।
   ____

4. पहला मेंढक हार मानने को तैयार नहीं था।

____

5. दूसरा मेंढक मलाई के भगौने में डूबकर मर गया।

____

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही विकल्प को चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

1. जंगल में __________ के किनारे दो मेंढक रहते थे।
   (i) नदी ☐ (ii) तालाब ☐ (iii) खेत ☐
2. खोजते-खोजते वे एक __________ की दुकान में पहुँचे।
   (i) मिठाई ☐ (ii) सब्जी ☐ (iii) फल ☐
3. लगातार हिलने से मलाई __________ बनने लगी।
   (i) दूध ☐ (ii) दही ☐ (iii) मक्खन ☐

अब भाषा की बात

क. समझिए और लिखिए–

1. फुदकते-फुदकते – फुदकते हुए
2. खोजते-खोजते – __________
3. चलते-चलते – __________
4. खेलते-खेलते – __________

ख. विलोम शब्दों को मिलाइए–

अच्छा	सुबह
शाम	बाहर
गीली	नीची
अंदर	सूखी
ऊँची	बुरा

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, मुश्किलें सबके जीवन में आती हैं पर ईश्वर ने हमें उनका मुकाबला करने की शक्ति भी दी है। इसलिए विपरीत परिस्थितियों में भी हमें अपना धैर्य व साहस बनाए रखना चाहिए। अंत में जीत उसी की होती है जो मुश्किलों से कभी हार नहीं मानता।

सदैव याद रखिए– अधिक बुद्धि या बल ही केवल काम नहीं आते हैं,
हिम्मत वाले जीवन का संग्राम जीत जाते हैं।

ख. आपके विचार से–

इन जानवरों को पहचानिए और इनके नाम सही स्थान पर लिखिए–

ग. कुछ और करके देखें–

गोपू मेंढक शहर में घूमते-घूमते जंगल का रास्ता भूल गया है। आप उसकी सहायता कीजिए और उसे जंगल तक पहुँचाइए।

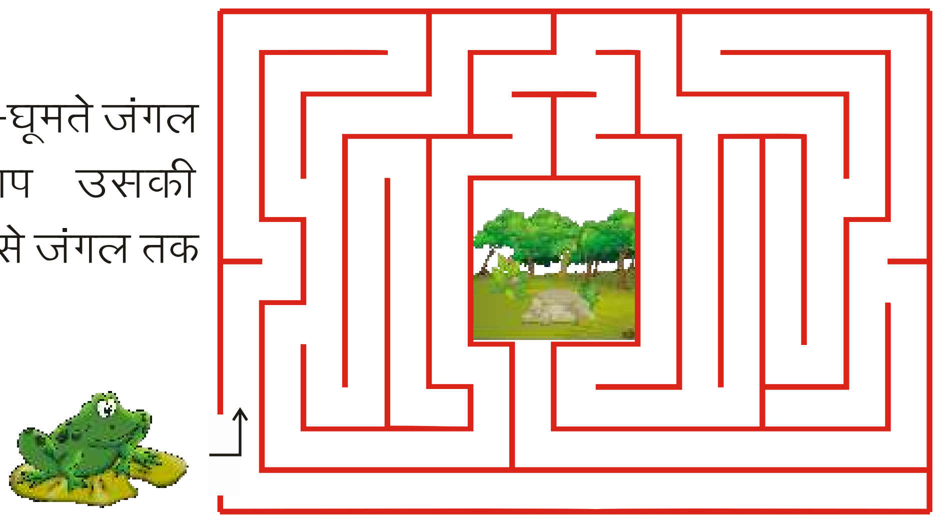

16

होली

प्रस्तुत पाठ में 'होली' त्योहार के विषय में जानकारी दी गई है।

हमारे देश में वर्ष-भर अनेक त्योहार मनाए जाते हैं। इनमें सबसे अधिक उल्लास भरा त्योहार है– होली।

यह त्योहार फाल्गुन मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इन दिनों सरदी समाप्त होने को होती है और गरमी भी अधिक नहीं होती, इसलिए यह मौसम बहुत ही सुहावना होता है। ऐसे ही मौसम में होने के कारण होली के त्योहार का आनंद और भी बढ़ जाता है।

होली के संबंध में एक पौराणिक कथा प्रचलित है। इस कथा के अनुसार राजा हिरण्यकश्यप भगवान की पूजा नहीं करता था। वह खुद को ही भगवान समझता था। उसके राज्य में जो भी ईश्वर की उपासना करता, वह उसे मृत्यु दंड देता था।

उसका पुत्र प्रह्लाद भगवान विष्णु का उपासक था। वह चाहता था कि प्रह्लाद विष्णु की नहीं, उसकी पूजा करे। परंतु प्रह्लाद तो दिन-रात भगवान विष्णु के नाम का ही जाप करता था। इस बात से क्रोधित होकर हिरण्यकश्यप ने उसे मारने के अनेक प्रयास किए परंतु असफल रहा। हिरण्यकश्यप की एक बहन थी, जिसका नाम था– 'होलिका'। होलिका को आग से न जलने का वरदान प्राप्त था। हिरण्यकश्यप प्रह्लाद को मार डालना चाहता था इसलिए हिरण्यकश्यप के कहने पर वह प्रह्लाद को अपनी गोद में लेकर आग में बैठ गई। ईश्वर की कृपा से प्रह्लाद तो बच गया परंतु होलिका जलकर मर गई। कहते हैं, इसी घटना की याद में होलिका दहन किया जाता है।

होली के त्योहार का संबंध खेतों में फसलों के पकने से भी है। होली के समय तक फसलें पककर तैयार हो चुकी होती हैं। किसान अपनी पकी फसलों के लहलहाते खेत देखकर खुशी से झूम उठते हैं।

होलिका दहन के दिन सब लोग गेहूँ और जौ की बालियाँ आग में भूनते हैं और एक-दूसरे के गले लगकर आपस में अनाज के भुने दाने बाँटते हैं। हरे चने को भी भूनकर आपस में बाँटा जाता है।

होलिका दहन के अगले दिन `धुलेंडी' का उत्सव मनाया जाता है। इस दिन सभी लोग एक-दूसरे को रंग-गुलाल आदि लगाकर खूब हँसते-गाते हैं और आनंद उठाते हैं। इस दिन छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का कोई भेदभाव नहीं रहता।

`गुझियाँ' इस त्योहार का विशेष पकवान है। सभी घरों में इन्हें बनाया और मिल-बाँटकर खाया जाता है।

इस दिन कुछ लोग रंग और गुलाल के स्थान पर कीचड़, मिट्टी, पेंट आदि का प्रयोग करते हैं। बच्चे भी आने-जाने वालों पर पानी से भरे गुब्बारे फेंकते हैं। इससे राहगीरों को परेशानी होती है। इन सबसे इस रंग-बिरंगे त्योहार का आनंद कम हो जाता है। हमें इन सब गलत कार्यों से बचना चाहिए।

होली का त्योहार प्रकृति में बदलाव का त्योहार है, सौंदर्य का त्योहार है और रंगों का त्योहार है; साथ ही यह प्रेम, भाईचारा और आत्मीयता बढ़ाने का त्योहार भी है।

कठिन शब्द

उल्लास ■ त्योहार ■ पूर्णिमा ■ मृत्युदंड
लहलहाते ■ धुलेंडी ■ सौंदर्य

शब्दार्थ

त्योहार	-	उत्सव, समारोह	**उपासना**	-	पूजा
उल्लास	-	खुशी	**क्रोधित**	-	नाराज
समाप्त	-	खत्म	**संबंध में**	-	बारे में
प्रयास	-	कोशिश	**पौराणिक**	-	पुराणों से संबंधित
कृपा	-	दया	**प्रचलित**	-	चलन में होना
आत्मीयता	-	अपनापन	**मृत्युदंड**	-	मौत की सजा
उपासक	-	पूजा करने वाला	**सौंदर्य**	-	सुंदरता

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए—

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए—
   उल्लास, पौराणिक, प्रह्लाद, हिरण्यकश्यप, विष्णु, मृत्यु, गुब्बारे, आत्मीयता, धुलेंडी
2. होली के त्योहार के समय मौसम कैसा होता है?
3. हिरण्यकश्यप प्रह्लाद को क्यों मारना चाहता था?
4. होलिका कौन थी?
5. होली खेलते समय आप किन-किन बातों का ध्यान रखेंगे?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. होली का त्योहार कब मनाया जाता है ?
2. होलिका को क्या वरदान प्राप्त था ?
3. होलिका प्रह्लाद को लेकर आग में क्यों बैठ गई ?
4. 'होलिका दहन' के दिन क्या-क्या करते हैं ?
5. दुलेंडी का उत्सव कैसे मनाया जाता है ?

ग. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

भाईचारा, गुझियाँ, होलिका, विष्णु, फाल्गुन, हिरण्यकश्यप

1. होली का त्योहार ____________ मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है।
2. प्रह्लाद भगवान ____________ का उपासक था।
3. ____________ को आग में न जलने का वरदान प्राप्त था।
4. ____________ प्रह्लाद को मार डालना चाहता था।
5. ____________ इस त्योहार का प्रमुख पकवान है।
6. होली प्रेम, ____________ और आत्मीयता बढ़ाने का त्योहार है।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. प्रह्लाद किसका उपासक था ?

   (i) हिरण्यकश्यप का ☐ (ii) भगवान विष्णु का ☐ (iii) सूर्य का ☐
2. हिरण्यकश्यप की बहन का नाम था–

   (i) होलिका ☐ (ii) दिवालिका ☐ (iii) राधिका ☐
3. होली खेलने में किसका प्रयोग नहीं करना चाहिए ?

   (i) गुलाल का ☐ (ii) रंग का ☐ (iii) कीचड़ का ☐

अब भाषा की बात

क. वर्ण विच्छेद कीजिए–

1. मौसम - म् + औ + स् + अ + म् + अ

2. सुहावना - ______

3. त्योहार - ______

4. होलिका - ______

ख. समझिए और क्रियाओं को बदलकर लिखिए–

1. उपासना करता था। — उपासना करती थी।
2. असफल रहा। ______
3. बैठ गया। ______
4. झूम उठता है। ______
5. मनाया जाता है। ______

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के विलोम शब्दों पर ✓ लगाइए–

1. दिन–

   (i) दिनों ☐ (ii) सुबह ☐ (iii) रात ☐

2. सफलता–

   (i) असफल ☐ (ii) असफलता ☐ (iii) सफल ☐

3. अमीर–

   (i) अमीरों ☐ (ii) गरीबों ☐ (iii) गरीब ☐

4. जन्म–

   (i) जीवन ☐ (ii) मृत्यु ☐ (iii) जीवनी ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, होली रंगों और खुशियों का त्योहार है। होली में रंगों का प्रयोग बहुत सावधानी से करना चाहिए। छोटे बच्चों और बीमार व्यक्तियों को रंग नहीं लगाना चाहिए। किसी

की आँख आदि में रंग न चला जाए, इसका ध्यान भी रखना चाहिए। केवल गुलाल और हल्के रंगों का ही प्रयोग करना चाहिए। कभी भी पक्के रंगों, कीचड़, पेंट आदि का प्रयोग होली खेलने में नहीं करना चाहिए।

ख. आपके विचार से—

1. होली का त्योहार किस-किस का त्योहार है? पाठ को समझकर बताइए; जैसे—
   (i) होली रंगों का त्योहार है।
   (ii) होली प्रकृति में बदलाव का त्योहार है, आदि।
2. होली पर जब दूसरे लोग आपके घर होली खेलने आते हैं, तो आप क्या करते हैं? बताइए।

ग. कुछ और जानें—

अपनी दादी जी अथवा नानी जी से होली के त्योहार के बारे में विस्तार से जानिए।

घ. कलाकारी दिखाइए—

नीचे दिए गए चित्र में रंग भरिए।

17

एक अधूरा घड़ा

प्रस्तुत पाठ में घड़ों के माध्यम से यह समझाया गया है कि यदि किसी व्यक्ति में कोई कमी है तो उसे निराश नहीं होना चाहिए अपितु अपने अन्य गुणों को विकसित कर अपनी उपयोगिता सिद्ध करनी चाहिए।

बहुत समय पहले की बात है। किसी गाँव में गोपाल नाम का एक गरीब व्यक्ति रहता था। उसके पास दो घड़े थे। उन घड़ों को उसने एक लंबे डंडे के दो किनारों से बाँधा हुआ था। एक घड़ा था साबुत और सुंदर; परंतु दूसरे घड़े में कुछ छेद थे।

गोपाल गाँव के जमींदार के घर पानी भरने का काम करता था। वह हर सुबह नदी के तट पर जाकर दोनों घड़ों में पानी भरता और ऊँची पहाड़ी चढ़कर मालिक के घर तक जाता था। जब तक वह वहाँ पहुँचता छेद वाले घड़े में से आधा पानी रास्ते में ही बह चुका होता और बचा हुआ पानी भी गोपाल पौधों में डाल देता। साबुत घड़े को अपने पर बहुत घमंड था। उसकी बनावट बहुत सुंदर थी और उसका पूरा पानी काम में भी आता था। छेद वाला घड़ा उदास और दुखी रहता। उस घड़े में छेद थे इसलिए वह स्वयं को अधूरा समझता था। उसे अपनी कमी का एहसास था। वह जानता था कि जितना काम उसे करना चाहिए; वह उससे आधा ही कर पाता है।

एक दिन छेद वाला घड़ा दुखी स्वर में गोपाल से बोला, ``मुझे अपने पर शर्म आती है। मैं अधूरा हूँ। मैं आपसे क्षमा माँगता हूँ।'' गोपाल ने उससे पूछा, ``तुम्हें किस बात की शर्म है?'' ``आप इतनी मेहनत से पानी लाते हैं और मैं उसे पूरा नहीं रोक पाता; आधा पानी रास्ते में ही गिर जाता है। मेरी कमी के कारण मालिक को आप पूरा पानी नहीं दे पाते।''—छेद वाला घड़ा बोला।

गोपाल को छेद वाले घड़े पर बहुत तरस आया। उसके हृदय में दया और करुणा थी। उसने प्यार से छेद वाले घड़े से कहा, ``आज जब हम पानी लेकर वापस

आएँगे तब तुम रास्ते में लगे खूबसूरत फूलों को ध्यान से देखना। इन फूलों के कारण रास्ता कितना सुंदर लगता है।'' उस दिन छेद वाले घड़े ने देखा कि सारे रास्ते के किनारे बहुत ही रंग-बिरंगे और सुंदर फूल खिले हुए थे। उन खूबसूरत फूलों को देखकर उसका दुखी मन कुछ समय के लिए प्रसन्न हो गया। परंतु जमींदार के घर के अंदर पहुँचते ही वह फिर उदास हो गया। वह परेशान था कि फिर से उसका पानी टपक गया था। छेद वाले घड़े ने फिर गोपाल से नम्रतापूर्वक माफी माँगी।

तब गोपाल छेद वाले घड़े से बोला, ``क्या तुमने ध्यान दिया कि रास्ते में कितने सुंदर फूल खिले हुए थे? मैं तुम्हारी इस कमजोरी के बारे में जानता था और मैंने इसका फायदा उठाया। मैंने रास्ते में फूलों के बीज केवल तुम्हारे कारण ही बोए थे। हर सुबह जब हम इस रास्ते से गुजरते थे तो तुम इन पौधों को पानी देते थे। पिछले दो वर्षों से यही फूल हमारे मालिक के घर की शोभा बढ़ाते हैं। तुम जैसे भी हो, बहुत काम के हो, अगर तुम न होते तो मालिक का घर इन सुंदर फूलों से सुसज्जित न होता।''

गोपाल की बात सुनकर अधूरा घड़ा मुसकराने लगा। उसे अपना महत्व जो समझ में आ गया था।

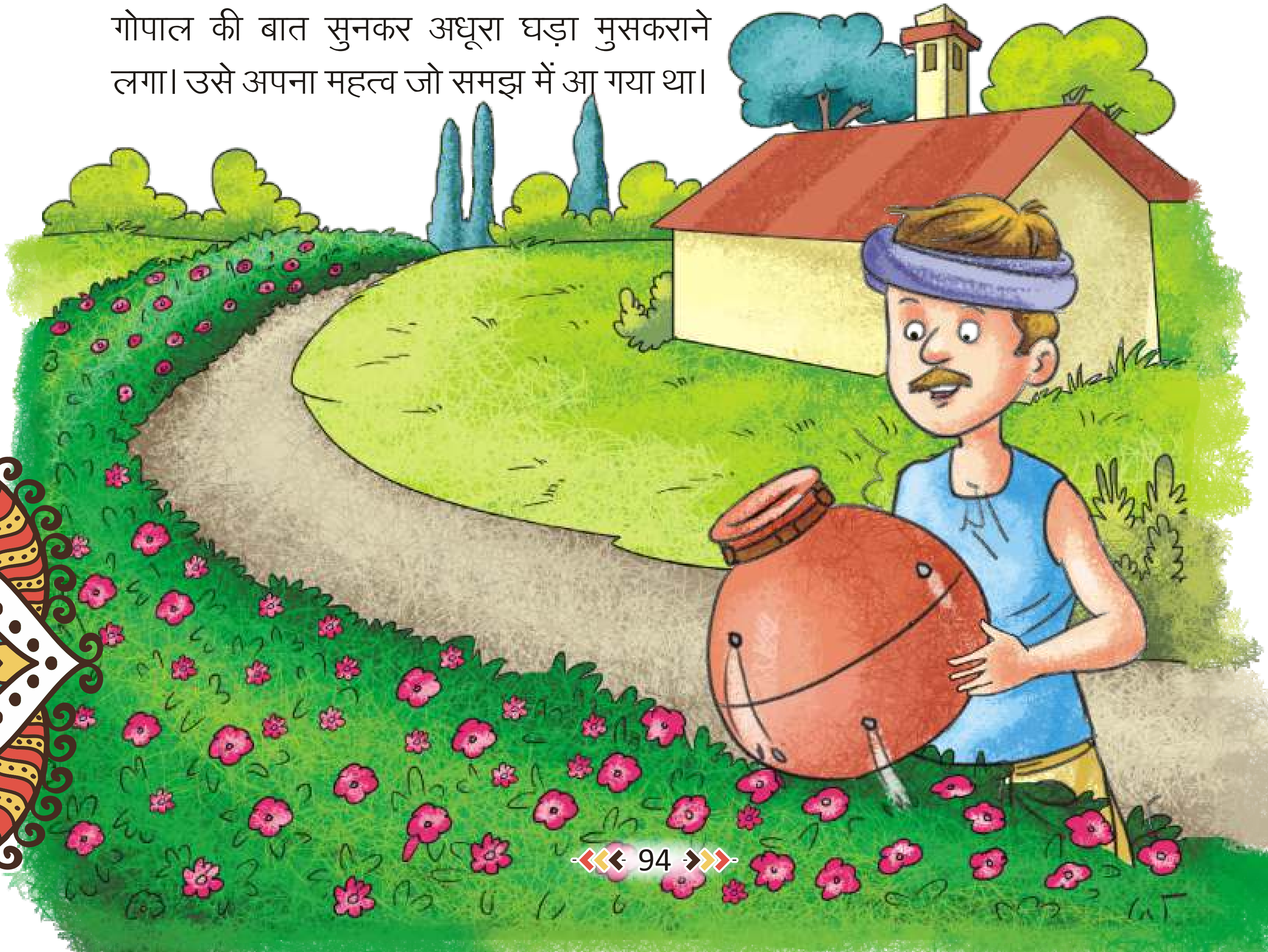

कठिन शब्द

व्यक्ति ■ जमींदार ■ बनावट ■ शर्म ■ अधूरा
नम्रतापूर्वक ■ शोभा ■ सुसज्जित

शब्दार्थ

तट	-	किनारे	**एहसास था**	-	जानकारी थी
क्षमा	-	माफी	**हृदय**	-	दिल
खूबसूरत	-	सुंदर	**परेशान**	-	दुखी
कमजोरी	-	कमी	**फायदा**	-	लाभ
शोभा	-	सुंदरता	**सुसज्जित**	-	अच्छी तरह से सजा हुआ

अभ्यास

पाठ को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   बाँधा, साबुत, बनावट, करुणा, नम्रतापूर्वक, सुसज्जित
2. गोपाल के पास कितने घड़े थे ?
3. गोपाल का एक घड़ा क्यों दुखी था ?
4. साबुत घड़े को अपने पर घमंड क्यों था ?
5. गोपाल ने छेद वाले घड़े की कमजोरी का फायदा किस प्रकार उठाया ?

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

1. गोपाल कौन था ? वह क्या काम करता था ?

2. गोपाल के घड़ों की क्या विशेषताएँ थी ?
3. छेद वाले घड़े ने गोपाल से क्षमा क्यों माँगी ?
4. छेद वाले घड़े ने रास्ते में क्या देखा ?
5. कौन-सा घड़ा रास्ते में लगे फूलों के पौधों को पानी देता था ?

ग. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए–

सुंदर , अधूरा , उदास , जमींदार , करुणा

1. गोपाल ______________ के घर पानी भरने का काम करता था।
2. टूटा हुआ घड़ा ______________ और दुखी रहता था।
3. गोपाल के हृदय में दया और ______________ थी।
4. रास्ते के किनारे बहुत ही ______________ फूल खिले थे।
5. ______________ घड़ा फूलों के पौधों को पानी देता था।

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. गोपाल के पास कितने घड़े थे ?

   (i) दो ☐ (ii) तीन ☐ (iii) चार ☐
2. गोपाल कहाँ से पानी भरकर लाता था ?

   (i) झरने से ☐ (ii) कुएँ से ☐ (iii) नदी से ☐
3. उदास कौन रहता था ?

   (i) साबुत घड़ा ☐ (ii) अधूरा घड़ा ☐ (iii) गोपाल ☐
4. मालिक का घर किससे सुसज्जित था ?

   (i) खिलौनों से ☐ (ii) फूलों से ☐ (iii) घड़ों से ☐

अब भाषा की बात

क. निम्नलिखित शब्दों को सही रूप में लिखिए–

1. घढ़ा ______________ 2. साभुत ______________
3. घमंढ ______________ 4. कीनारे ______________

5. करुड़ा ______ 6. एहसाश ______

ख. शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाइए–

1. थे / उसके / पास / घड़े / दो

______

2. बनावट / थी / सुंदर / एक घड़े / बहुत / की

______

3. खिले / थे / रंग-बिरंगे / फूल / रास्ते में

______

4. का / फूल / मालिक / सजाते / थे / घर

______

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

दिए गए शब्दों के विलोम शब्द वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. अधूरा – (i) आधा ☐ (ii) पूरा ☐ (iii) अंधा ☐
2. उदास – (i) उदासी ☐ (ii) खुशी ☐ (iii) खुश ☐
3. खूबसूरत – (i) बदसूरत ☐ (ii) गंदा ☐ (iii) काला ☐
4. गरीब – (i) मजदूर ☐ (ii) गोपाल ☐ (iii) अमीर ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

बच्चो, हम सभी में कुछ-न-कुछ कमी अवश्य होती है। परंतु हमें कभी इन कमियों से घबराना नहीं चाहिए। अधूरे घड़े की तरह ही हम सब भी अपनी कमियों पर काबू पा सकते हैं। हमें अपनी कमी में ही अपनी मजबूती ढूँढ़नी चाहिए।

ख. कुछ और जानें–

जिस प्रकार गोपाल ने छेद वाले घड़े का उपयोग किया उसी प्रकार आप भी घर में बेकार पड़ी चीजों का उपयोग कर सकते हैं। कुछ चीजों के उपयोग नीचे दिखाए गए हैं।

ग. कुछ और करके देखें–

1. छोटे-छोटे गमलों में फूलों के पौधे लगाकर अपने घर को सजाइए।
2. अपनी पुरानी किताबों, कपड़ों, खिलौनों आदि को उन बच्चों को दे दीजिए जो इन्हें नहीं खरीद सकते। इससे उन बच्चों को खुशियाँ मिलेंगी और आपको उनकी शुभकामनाएँ।
3. नीचे दिए गए चित्र को सुंदर रंगों से सजाइए–

18

भारत कितना प्यारा है

प्रस्तुत कविता में भारत देश का गुणगान किया गया है।

यहीं हिमालय-सा पहाड़ है,
यहीं गंग की धारा है।
यमुना लहराती है सुंदर,
भारत कितना प्यारा है।।

फल-फूलों से भरी भूमि है,
खेतों में हरियाली है।
आमों की डालों पर बैठी,
गाती कोयल काली है।।

बच्चो, माँ ने पाल-पोसकर,
तुमको बड़ा बनाया है।
लेकिन यह मत भूलो तुमने,
अन्न यहाँ का खाया है।।

तुमने पानी पिया कहाँ का,
खेले मिट्टी में किसकी ?
चले हवा में किसकी बोलो,
बच्चो, प्यारे भारत की।।

—गिरिजा दत्त शुक्ल 'गिरीश'

कठिन शब्द

प्यारा ■ डालों ■ अन्न ■ मिट्टी ■ हरियाली

शब्दार्थ

पहाड़	-	पर्वत	**भूमि**	-	धरती, जमीन
डाल	-	टहनी	**अन्न**	-	अनाज

अभ्यास

कविता को जानें

क. मौखिक विश्लेषण कीजिए–

1. शुद्ध उच्चारण का अभ्यास कीजिए–
   लहराती, भूमि, पाल-पोसकर, अन्न, मिट्टी
2. भारत में बहने वाली दो नदियों के नाम बताइए।
3. भारत की भूमि किससे भरी हुई है?
4. हम सब किसकी मिट्टी में खेले हैं?
5. आपको अपना देश क्यों प्यारा लगता है?

ख. कविता की पंक्तियाँ पूरी कीजिए–

1. यहीं ____________ पहाड़ है,
   ____________ धारा है।
2. ____________ की ____________ पर बैठी,
   गाती ____________ काली है।।
3. लेकिन यह ____________,
   ____________ खाया है।।

ग. कविता के आधार पर मिलान कीजिए–

हिमालय	हरियाली
खेत	फल-फूल
गंगा	कोयल
भूमि	पहाड़
आम की डाली	धारा

घ. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. भारत की भूमि किससे भरी हुई है ?
   (i) पत्थरों से ☐ (ii) पानी से ☐ (iii) फल-फूलों से ☐
2. गंगा और यमुना क्या हैं ?
   (i) पक्षी ☐ (ii) पहाड़ ☐ (iii) नदियाँ ☐
3. आमों की डालों पर कौन बैठा गा रहा है ?
   (i) कोयल ☐ (ii) कौआ ☐ (iii) कबूतर ☐

अब भाषा की बात

क. समान संयुक्ताक्षर वाले दो-दो शब्द लिखिए–

बच्चा – ____________ ____________

प्यारे – ____________ ____________

मिट्टी – ____________ ____________

ख. 'का' अथवा 'की' के द्वारा शब्दों को मिलाइए–

गंगा ________	धारा	गंगा की धारा
आमों ________	डाली	____________
नदियों ________	पानी	____________
भारत ________	धरती	____________

ग. बहुविकल्पीय प्रश्न

सही बहुवचन वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

1. नदी–

   (i) नदीया ☐ (ii) नदियाँ ☐ (iii) नदिया ☐

2. बच्चा–

   (i) बच्चे ☐ (ii) बच्ची ☐ (iii) बचपन ☐

3. लहर–

   (i) लहरि ☐ (ii) लहरें ☐ (iii) लहराती ☐

रचनात्मक गतिविधियाँ

क. आओ, बात करें–

हम अपने देश की मिट्टी में उपजे अन्न को खाकर, यहाँ की नदियों का पानी पीकर और यहाँ की हवा में साँस लेकर बड़े हुए हैं। हमारे देश के हम पर बहुत उपकार हैं। बच्चो, हम सबको कोई भी ऐसा काम नहीं करना चाहिए जिससे हमारे देश का नाम खराब हो।

ख. कुछ और जानें–

क्या आप जानते हैं कि-

1. **तिरंगा** हमारा राष्ट्रीय ध्वज है।
2. **जन-गण-मन** हमारा राष्ट्रीय गान है।
3. **मोर** हमारा राष्ट्रीय पक्षी है।
4. **हॉकी** हमारा राष्ट्रीय खेल है।

ये सभी हमारे राष्ट्र की पहचान हैं। इन्हें **राष्ट्रीय प्रतीक** कहते हैं।

ग. बूझो तो जानें–

1. 'भारत' के अलावा हमारे देश को और किन-किन नामों से जाना जाता है? बताइए।
2. हमारे राष्ट्रीय-ध्वज में किस-किस रंग की पट्टियाँ होती हैं? उनके नाम बताइए।

घ. कुछ और करके देखें–

नीचे अपने देश का राष्ट्रगान दिया गया है। उसे शुद्ध उच्चारण के साथ पढ़कर याद कीजिए और लय में गाने का अभ्यास कीजिए–

जन– गण– मन– अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता ।
पंजाब सिंधु गुजरात मराठा
द्राविड़ उत्कल बंग ।
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग ।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष माँगे ।
गाहे तव जय गाथा ।
जन– गण– मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे ।।

केवल पढ़ने के लिए

संख्यावाचक शब्द

1	१	एक
2	२	दो
3	३	तीन
4	४	चार
5	५	पाँच
6	६	छः
7	७	सात
8	८	आठ
9	९	नौ
10	१०	दस
11	११	ग्यारह
12	१२	बारह
13	१३	तेरह
14	१४	चौदह
15	१५	पंद्रह
16	१६	सोलह
17	१७	सत्रह
18	१८	अठारह
19	१९	उन्नीस
20	२०	बीस
21	२१	इक्कीस
22	२२	बाईस
23	२३	तेईस
24	२४	चौबीस
25	२५	पच्चीस

26	२६	छब्बीस
27	२७	सत्ताईस
28	२८	अट्ठाईस
29	२९	उनतीस
30	३०	तीस
31	३१	इकतीस
32	३२	बत्तीस
33	३३	तैंतीस
34	३४	चौंतीस
35	३५	पैंतीस
36	३६	छत्तीस
37	३७	सैंतीस
38	३८	अड़तीस
39	३९	उनतालीस
40	४०	चालीस
41	४१	इकतालीस
42	४२	बयालीस
43	४३	तैंतालीस
44	४४	चौवालीस
45	४५	पैंतालीस
46	४६	छियालीस
47	४७	सैंतालीस
48	४८	अड़तालीस
49	४९	उनचास
50	५०	पचास

मॉडल प्रश्न–पत्र 1

1. सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

(i) शेर जंगल में क्यों घूम रहा था?

(क) शिकार की खोज में ☐

(ख) पानी की खोज में ☐

(ग) रहने की जगह की खोज में ☐

(ii) कोयल की बोली होती है–

(क) मधुर ☐ (ख) तीखी ☐ (ग) नमकीन ☐

(iii) 'पास' का विलोम है–

(क) समीप ☐ (ख) दूर ☐ (ग) दूरी ☐

(iv) अलग लय वाला शब्द है–

(क) आई ☐ (ख) माली ☐ (ग) काली ☐

(v) 'विचित्र' के समान अर्थ वाला शब्द है–

(क) अनोखा ☐ (ख) पक्षी ☐ (ग) पक्ष ☐

2. किसने कहा–

(i) "अभी तो आप लोग जाइए।" ____________

(ii) "भोजन बनाना उनका काम नहीं है।" ____________

3. दिए गए शब्दों की सहायता से खाली स्थान भरिए–

मुँह
कौए
मार
बसंत
ताजमहल

(i) ________ यमुना नदी के किनारे स्थित है।

(ii) कोयल का गीत ________ ऋतु में सुना जा सकता है।

(iii) मादा कोयल ________ के घोंसले में अंडे देती है।

(iv) किसान की पत्नी ने नेवले को ________ डाला।

(v) नेवले के ________ पर खून लगा था।

4. वर्णों का क्रम ठीक करके शब्द बनाइए–

(i) मरधु ________ (i) गियाब ________

(iii) तिलीत ________ (iv) लीरानि ________

5. 'का', 'की' तथा 'के' का उचित स्थान पर प्रयोग कीजिए–

(i) हाथ____बनी वस्तुएँ (ii) चमड़े____ जूते

(iii) फरवरी____ महीना (iv) प्रशंसा____योग्य

6. समानार्थी शब्दों को मिलाइए–

(i)	पेड़	जल
(ii)	आसमान	सिर
(iii)	धरती	पृथ्वी
(iv)	पानी	आकाश
(v)	शीश	वृक्ष

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

तर, ______ प्राचीन, ______ आहट, ______ विचित्र, ______ नित ______

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) फूल हमें क्या सिखाते हैं?

______

(ii) दरबारी तेनाली रामकृष्ण का आदर क्यों करते थे?

______

(iii) सियार ने गुफा के बाहर क्या देखा था?

______

(iv) तितली फूल-फूल पर क्यों जाती है?

______

(v) कोयल को विचित्र पक्षी क्यों कहते हैं?

______

मॉडल प्रश्न–पत्र 2

1. सही उत्तर वाले विकल्प पर ✓ लगाइए–

(i) पंडित नेहरू का जन्म कहाँ हुआ था?
(क) बनारस ☐ (ख) लखनऊ ☐ (ग) इलाहाबाद ☐

(ii) हिरण्यकश्यप की बहन का नाम था–
(क) होलिका ☐ (ख) दिवालिका ☐ (ग) राधिका ☐

(iii) 'लकड़ी' का बहुवचन रूप है–
(क) लकड़ीएँ ☐ (ख) लकड़ियाँ ☐ (ग) लकड़ीयाँ ☐

(iv) 'गरीब' का विलोम शब्द है–
(क) मजदूर ☐ (ख) गोपाल ☐ (ग) अमीर ☐

(v) 'वन' का पर्यायवाची शब्द है–
(क) बनाना ☐ (ख) जंगल ☐ (ग) जानवर ☐

2. सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान भरिए–

करुणा
पेड़
विष्णु
अधूरा
जंगल

(i) हरिपुर गाँव एक ________ के पास बसा था।
(ii) यात्री घबराकर ________ पर चढ़ गया।
(iii) गोपाल के हृदय में दया और ________ थी।
(iv) ________ घड़ा फूलों के पौधों को पानी देता था।
(v) प्रह्लाद भगवान ________ का उपासक था।

3. सही कथन के सामने ✓ व गलत कथन के सामने × लगाइए–

(i) पंडित नेहरू की पुत्री का नाम विमला देवी था। ☐
(ii) डाकघर से हम डाक-टिकट खरीद सकते हैं। ☐
(iii) डाकिया हमारे लिए सब्जियाँ लाता है। ☐
(iv) चाचा नेहरू को गुलाब का फूल बहुत प्रिय था। ☐
(v) गधा अपने आपको 'वन का राजा' कहता था। ☐

4. समान संयुक्ताक्षर का प्रयोग करके शब्द बनाइए–

ट्ठ – लट्ठ ________ ________ ________
च्छ – अच्छा ________ ________ ________

5. बहुवचन रूप लिखिए–

खाता – ________ टिकट – ________
पैसा – ________ मेज – ________

6. विलोम शब्दों को मिलाइए–

अच्छा	मृत्यु
गीली	रात
ऊँची	बुरा
जन्म	सूखी
दिन	नीची

7. निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए–

सुसज्जित ________ प्रयास ________

उम्मीद ________ विभिन्न ________

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(i) जवाहर लाल नेहरू की पुत्री का क्या नाम था ?

____

(ii) डाकघर से हम क्या-क्या खरीद सकते हैं ?

____

(iii) मेंढक घूमने के लिए कहाँ गए ?

____

(iv) होलिका को क्या वरदान प्राप्त था ?

____

(v) छेदवाले घड़े ने रास्ते में क्या देखा ?

____